● वर्ष : 17 ● अंक : 185 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का सम्मान

दिल्ली से प्रकाशित

शनिवार 25 अप्रैल 2026

पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान ने परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है : मोदी

एजेंसी। कोलकाता

भाजपा की सरकार बनने के बाद हर पुरानी फाइल खुलेगी : प्रधानमंत्री

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान संपन्न होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दमदम में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने राज्य में परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है और पार्टी की जीत का शंखनाद हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लंबे समय से बंगाल में बदलाव की जो भावना दिखाई दे रही थी, पहले चरण के मतदान ने उसे स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा के पक्ष में समर्थन देकर सत्ता परिवर्तन का संकेत दे दिया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचलने का प्रयास किया गया, उसी बंगाल की जनता ने मतदान के माध्यम से लोकतंत्र का पुनर्निर्माण किया है। उन्होंने मतदाताओं से अगले चरणों में और अधिक मतदान कर विजय ध्वज फहराने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यभर में एक ही आवाज सुनाई दे रही है कि बंगाल को परिवर्तन चाहिए और भाजपा की सरकार चाहिए। उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की धरती का उल्लेख करते हुए चुनाव को नई क्रांति का समय बताया। पीएम मोदी ने कहा की याद रखिएगा बंगाल की धरती वीरों की धरती है। पहले चरण के मतदान में तृणमूल के दीपक को बुझा दिया है। बुझने से पहले जैसे दीपक फड़फड़ाता है वैसे ही टीएमसी फड़फड़ा रही है लेकिन दूसरे चरण में विजय ध्वज लहराना है। सभा में महिलाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस महिला विरोधी दल है, जबकि भाजपा महिला नेतृत्व आधारित विकास मॉडल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की बेटियों के सपनों को कुचला नहीं जाने दिया जाएगा और सत्ता में आने के बाद महिलाओं पर हुए अन्याय के हर मामले की फाइल खोली जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण, आवास और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में आयुष्मान योजना लागू नहीं है, लेकिन सरकार बनने पर लोगों को 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। मध्यम वर्ग का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर मध्यम वर्ग के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

बंगाल में चुनावी माहौल के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा में की बोट की सवारी, कोलकाता घाट पर शख्स को लगाया गले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के चुनावी रण के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। झारग्राम में झालमुरी खाने के बाद शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री मोदी का एक अलग अंदाज देखने को मिला। कोलकाता के गंगा घाट पर उन्होंने बोट की सवारी की और वहां मौजूद लोगों से मुलाकात की। गंगा घाट पर अचानक पहुंचे प्रधानमंत्री को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ गई थी। प्रोटोकॉल तोड़ते हुए उन्होंने लोगों से मुलाकात की, बातचीत की और एक व्यक्ति को गले से लगाया। प्रधानमंत्री से मिलकर वो शख्स अपनी जिंदगी की परेशानियों को बताते हुए भावुक हो गया। उनकी तस्वीर वायरल हो गई। नदिया और दक्षिण 24 परगना में गुरुवार को जनसभाओं को संबोधित करने, बेलूर मठ में दर्शन करने तथा हावड़ा में भव्य रोड शो के बाद प्रधानमंत्री ने रात्रि विश्राम राजभवन (लोकभवन) में किया। सवेरा होने से कुछ पहले गंगा नदी के किनारे पहुंचे। उन्होंने मां गंगा के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। नौका विहार भी किया और हाथ में कैमरा लेकर नदी तट, हावड़ा पुल तथा आसपास के मनोहारी दृश्यों को कैद किया। उनकी यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बन गईं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि हर बंगाली के मन में गंगा का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा में बहने वाली सांस्कृतिक धारा है।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

दीदी जाने वाली है भाजपा आने वाली है?

भारत में आजादी के बाद पहली बार मतदान का एक ऐसा रिकॉर्ड बना है, जो ना भूतो ना भविष्यति की तरह है। प्रथम चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दावा किया है, प्रथम चरण की जिन 154 सीटों में जो मतदान हुआ है उसमें बीजेपी 120 सीटों पर जीत रही है। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव का नॉरेटिव बनाकर महिला आरक्षण बिल को आधार बनाकर बीजेपी ने चुनाव लड़ा है। चुनाव के दौरान संसद का विशेष सत्र बुलाकर परिसीमन और जनगणना के मुद्दे पर जो संशोधन बिल प्रस्तुत किया था। बिल को महिला आरक्षण से जोड़कर प्रचारित किया गया। महिला आरक्षण बिल अस्तित्व में है।

इसके बाद भी जब यह बिल संसद से दो तिहाई बहुमत से पास नहीं हो पाया। उसके बाद भाजपा ने इसे राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन का मुद्दा बनाया। महिला आरक्षण के नाम पर बंगाल और तमिलनाडु में चुनाव प्रचार किया। जो मतदान हुआ है, उस पर भाजपा का दावा है, महिलाओं ने भाजपा के पक्ष में पश्चिम बंगाल में बढ़ चढ़कर मतदान किया है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 86 फ़ीसदी रिकॉर्ड मतदान हुआ है। तमिलनाडु में भी महिलाओं ने एनडीए के पक्ष में मतदान किया है, यह दावा भाजपा द्वारा किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में चुनाव के पहले, इसी तरह का नॉरेटिव बनाकर भाजपा अप्रत्याशित रूप से चुनाव जीतती रही है। इस बार भी भाजपा को भरोसा है, वह पश्चिम बंगाल में पहली बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही हैं। ठीक इसके विपरीत ममता दीदी का दावा है। इस बार महिलाओं ने एसआईआर के नाम पर जिस तरह से करोड़ों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं।

तार्किक विसंगति के नाम पर लगभग 64 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं। बंगाल के मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए पिछले 3 महीने से परेशान हो रहे हैं। किसी भी स्तर पर कोई सुनवाई नहीं हुई। प. बंगाल के करोड़ों मतदाता इस प्रक्रिया में काफी परेशान थे। अंतोंगत्वा 34 लाख से ज्यादा मतदाताओं को प. बंगाल में मतदान से वंचित रखा गया है। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया बंगाल में हुई है। मतदाताओं को अपनी नागरिकता बचाने के लिए जो परेशानी उसे हुई है। बंगालियों को जिस तरह से परेशान किया गया है। उससे नाराज मतदाताओं ने इस बार टीएमसी के पक्ष में मतदान किया है। बंगाली स्मिता और नागरिक अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए कम्युनिस्ट विचारधारा के मतदाताओं ने भी टीएमसी के पक्ष में मतदान किया है। ममता बनर्जी का दावा है, भारी संख्या में जो मतदान हुआ है। वह एसआईआर के विरोध और बंगाली अस्मिता को बचाए रखने के लिए हुआ है। ममता बनर्जी का दावा है, वह भारी बहुमत के साथ चौथी बार अपनी सरकार बनाने जा रही हैं। बंगाल चुनाव पर गहरी नजर रख रहे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

पचपद्रा रिफाइनरी सहित दुनिया की कई रिफाइनरियों में आग, संयोग या फिर कोई बड़ा पैटर्न

नई दिल्ली। राजस्थान के बाड़मेर जिले के पचपद्रा रिफाइनरी को लेकर बड़ा विवाद और चर्चा का माहौल बन गया है। यह वहीं परियोजना है जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले थे। लेकिन उससे करीब 20 घंटे पहले यहां अचानक रिफाइनरी में भीषण आग लग गई। इस घटना ने ना सिर्फ प्रशासन को सतर्क किया, बल्कि पूरे प्रोजेक्ट की सुरक्षा और समय पर संचालन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। करीब 13 वर्षों से चल रही यह परियोजना करीब 3 करोड़ की लागत से तैयार की गई थी और इस क्षेत्र के बड़े तकनीकी विकास के रूप में देखा जा रहा था। आग लगने की घटना के बाद से ही सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं और दावे सामने आ रहे हैं। कुछ लोग सामान्य तकनीकी दुर्घटना बता रहे हैं। जबकि कुछ इस आग को बड़े पैटर्न से जोड़कर देख रहे हैं। खास बात यह है कि हाल के महीनों में दुनिया के अलग-अलग देशों में रिफाइनरियों में आग, विस्फोट और तकनीकी खराबी की घटनाएं लगातार सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार बीते कुछ महीनों से भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, रूस, पाकिस्तान और इक्वेटर जैसी जगहों पर रिफाइनरी से जुड़ी घटनाएं सामने आई हैं।

महाराष्ट्र : गहरे गड्ढे में डूबने से 4 बच्चों की मौत मामले में एनएचआरसी का डीएम-एसपी को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के इस्लांपुरा इलाके में एक नाले के निर्माण स्थल के पास गहरे गड्ढे में डूबने से चार बच्चों की मौत के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस घटना को गंभीर मानते हुए स्थानीय प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने नांदेड़ वाघाला नगर आयुक्त, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि यदि मीडिया रिपोर्ट सही पाई जाती है, तो यह प्रशासनिक लापरवाही और मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला बनता है। दरअसल, चार बच्चे लगभग 15 फीट गहरे गड्ढे के पास खेल रहे थे। गड्ढे में पानी भरा हुआ था और बच्चों ने उसकी गहराई का सही अंदाजा लगाए बिना उसमें उतरने की कोशिश की। इसी दौरान वे डूब गए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय निवासी और पुलिस मौके पर पहुंचे तथा उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। काफी प्रयासों के बावजूद चारों बच्चों को बचाया नहीं जा सका। उल्लेखनीय है कि यह नाला स्थानीय नगर निगम द्वारा बनाया जा रहा था और निर्माण स्थल के पास बने गहरे गड्ढे में गंदा पानी जमा हो गया था।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने पीएम मोदी को लिखा पत्र कहा- आर्थिक चुनौतियों का समाधान हो

एजेंसी। नई दिल्ली

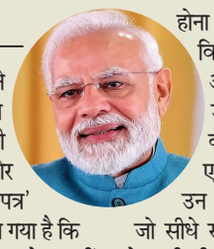

वैश्विक ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने भारत की आर्थिक विकास दर को लेकर अपनी ताजा रणनीतिक टिप्पणी में कुछ महत्वपूर्ण जोखिमों की ओर इशारा किया है। 'प्रधानमंत्री को खुला पत्र' शीर्षक वाले इस नोट में आगाह किया गया है कि यदि प्रमुख नीतिगत बाधाओं को समय रहते दूर नहीं किया गया, तो भारत अपनी वास्तविक क्षमता से कमतर प्रदर्शन कर सकता है। जानकारों का मानना है कि इस तरह की टिप्पणियां वैश्विक निवेशकों के लिए दीर्घकालिक जोखिमों और अवसरों को समझने का एक माध्यम होती हैं। बर्नस्टीन के अनुसार, भारत ने पूंजीगत व्यय पर ध्यान केंद्रित कर स्थिरता और आय वृद्धि को समर्थन देने का सही निर्णय लिया है, लेकिन वर्तमान सफलताओं के आधार पर भविष्य के प्रति अत्यधिक निश्चिंत होना जोखिम भरा हो सकता है। रिपोर्ट में विशेष रूप से बुनियादी ढांचे की कमी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए भारत की तैयारी पर सवाल उठाए गए हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार के उन अवसरों पर संकट मंडरा रहा है, जो सीधे स्वचालन से प्रभावित हो सकते हैं। चेतावनी दी गई है कि भारत इन तकनीकों का केवल उपभोक्ता बनकर रह सकता है, जबकि इनके आर्थिक लाभ का बड़ा हिस्सा उसके हाथ से निकल सकता है। विनिर्माण क्षेत्र के संदर्भ में रिपोर्ट कहती है कि 'चीन+1' रणनीति का भारत को अब तक सीमित लाभ ही मिला है। आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरी, उन्नत विनिर्माण में कुशल प्रतिभा की कमी और धीमी क्रियान्वयन प्रक्रिया प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की रफ्तार को बाधित कर रही है।

अगले महीने अंग, बंग और कलिंग में होंगी भाजपा की सरकारें : अमित शाह

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बड़ा राजनीतिक दावा करते हुए कहा कि अगले महीने अंग (बिहार), बंग (बंगाल) और कलिंग (ओडिशा) तीनों क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारें होंगी। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में भाजपा का विस्तार तेजी से हो रहा है और पश्चिम बंगाल में जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है। अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में जनता ने भारी उत्साह के साथ मतदान किया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान हुआ और भाजपा इनमें से 110 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। शाह ने कहा कि मतदान प्रतिशत ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और यह साफ संकेत है कि राज्य की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो इस बात का प्रमाण है कि लोग लोकतांत्रिक तरीके से परिवर्तन लाना चाहते हैं। शाह ने कहा कि जनता ने भय और हिंसा की राजनीति को नकारते हुए बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचकर अपना मताधिकार प्रयोग किया। तृणमूल कांग्रेस सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की विदाई तय है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया गया है और पिछले कई वर्षों में हजारों करोड़ के घोटाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती घोटाला, शिक्षक नियुक्ति प्रकरण, नगर निकाय अनियमितताएं और विभिन्न योजनाओं में भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त है। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर तृणमूल शासनकाल के भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। साथ ही सेवानिवृत्त उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में सभी मामलों की जांच कराई जाएगी, ताकि दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिल सके। महिला सुरक्षा को सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने में विफल रही है।

तमिलनाडु के विरुधुनगर विस्फोट मामले में मुख्य सचिव, पुलिस अधीक्षक को मानवाधिकार आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक निजी पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट का स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और जिले के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने शुक्रवार को बताया कि विगत 20 अप्रैल को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 19 अप्रैल को फैक्टरी में रासायनिक मिश्रण और निर्माण प्रक्रिया के दौरान घर्षण के कारण विस्फोट हुआ। घटना के दौरान तब कारखाने में महिलाओं सहित 100 से अधिक श्रमिक मौजूद थे। घायल श्रमिकों को विरुधुनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था। जिले में हाल ही में हुई इसी तरह की एक अन्य घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी। आयोग ने रिपोर्ट में घायल व्यक्तियों के स्वास्थ्य की स्थिति, मामले की जांच और मृतक एवं घायल व्यक्तियों के परिजनों को दिए गए मुआवजे का विवरण भी शामिल करने के लिए कहा है।

ममता की हुंकार : बंगाल के बाद अब दिल्ली भी जीत लूंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला कर दावा किया है कि राज्य विधानसभा चुनावों में जीतने के बाद दिल्ली को भी जीत लेंगी। एक रैली को संबोधित कर ममता ने कहा कि वह सभी विपक्षी दलों को एकजुट करके केंद्र में बीजेपी को खत्म कर देने वाले है। उन्होंने कहा कि मैंने उन सभी लोगों के नाम लिख लिए हैं जो बीजेपी के लिए दलाल का काम कर रहे हैं—ए से लेकर जेड तक, और उनके घरों की जगह भी देख ली है। आपको लगता है कि आप हम पर नज़र रख सकते हैं? आपने जिस भी व्यक्ति को पार्टी में शामिल किया है, उस बीजेपी में लाने से पहले उसके पारिवारिक पृष्ठभूमि की पूरी जाँच-पड़ताल की है, और अधिकारियों की नियुक्ति भी आपने उसी आधार पर की है। ममता ने कहा कि यह याद रखना, तुममें हमें हराने की काबिलियत नहीं है। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं, हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। मेरा जन्म बंगाल में हुआ था, और मैं अपनी आखिरी सांस इसी बंगाल में लूंगी। मैं दिल्ली को जीतूंगी, इस बात का पूरा भरोसा रखना; एक बार जब मैं बंगाल में जीत हासिल कर लूंगी, तब मैं सभी राजनीतिक पार्टियों को एक साथ लाकर ऐसा करूंगी।

हमें मोदी पर गर्व है, वे भी संघ से जुड़े होने का गर्व महसूस करते हैं : होसबाले

एजेंसी। वाशिंग्टन/नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले का कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बारे में हम भारत सरकार की नीति, प्रतिक्रिया और सोच के साथ पूरी तरह खड़े हैं। हमारी अपनी अलग से कोई राय नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कहा कि हमें उन पर गर्व है और वे भी हमारे संगठने से जुड़े होने पर गर्व करते हैं। वाशिंग्टन (डी.सी.) के सुप्रसिद्ध हड्सन इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में आयोजित एक चर्चा-वार्ता में वरिष्ठ पत्रकार और 'द वॉल स्ट्रीट जरनल' के स्तंभकार वॉल्टर रसेल मीड से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी, सरकार और संघ से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने यह बात कही। रा.स्व.संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने साफ कहा कि 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के काल से उसके नेता व संगठनकर्ता हमसे जुड़े रहे हैं। संघ विचार से प्रेरित आज 40 से अधिक संगठनों का राष्ट्रव्यापी तंत्र है। उन्होंने अमेरिकी डायसपोरा के कुछ लोगों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यह अमेरिका के नागरिक भारतवंशियों की जिम्मेदारी है कि वे अपने देश (अमेरिका) के नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने सांस्कृतिक देश की पहचान को सम्मान दिलाने वाले कार्य करें। एक सवाल के उत्तर में उन्होंने स्वीकार किया कि केवल अमेरिकियों में ही नहीं बल्कि भारत में भी हमारे संगठन को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां हैं। हम अपने इस शताब्दी वर्ष में जन-जन के बीच पंच परिवर्तन के कार्यक्रमों को लेकर जा रहे हैं। यह केवल भारत या भारतीयों के लिए नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में में स्वीकार किए जाने वाला विचार है।

भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर भी सहमत

एजेंसी। लंदन

डोभाल ने ब्रिटेन के एनएसए से की बात, दिल्ली की चिंताओं को दूर करने पर जोर

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने गुरुवार को ब्रिटेन के अपने समकक्ष जोनाथन पॉवेल के साथ बातचीत की, जिसमें आतंकवाद, चरमपंथ और खालिस्तान समर्थक तत्वों से संबंधित नई दिल्ली की चिंताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्ष ''अस्थिर भू-राजनीतिक वातावरण'' की पृष्ठभूमि में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर भी सहमत हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोभाल और पॉवेल ने पश्चिम एशिया की अस्थिर स्थिति और समुद्री सुरक्षा और व्यापार पर इसके प्रभाव पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। अधिकारियों ने बताया कि डोभाल ने इस बात पर जोर दिया कि संघर्ष को सुलझाने का एकमात्र रास्ता संवाद और कूटनीति ही है। ये वार्ताएं वार्षिक भारत-ब्रिटेन रणनीतिक संवाद के ढांचे के तहत आयोजित की गईं। ये बातचीत सालाना भारत-युके रणनीतिक बातचीत के दायरे में हुई। अधिकारियों के मुताबिक दोनों एनएसए ने भारत-ब्रिटेन विज़न 2035 दस्तावेज में तय किए गए लक्ष्यों पर आगे बढ़ने की अहमियत को दोहराया। इन लक्ष्यों में लंबे समय के लिए आपसी रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद, उग्रवाद और खालिस्तान समर्थक तत्वों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं से निपटने के लिए सहयोग को और गहरा करने की ज़रूरत पर जोर दिया। एनएसए डोभाल ने इन मामलों पर लगातार समर्थन के लिए यूके सरकार का शुक्रिया अदा किया और कहा कि दोनों पक्षों की कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच सहयोग को और बढ़ाकर इस गति को बनाए रखना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और आधुनिक सामग्री के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्षों ने इस बात पर गौर किया कि आपसी रक्षा सहयोग ने अच्छी गति पकड़ी है, और भारत-यूके रक्षा औद्योगिक रोडमैप के व्यापक दायरे में रक्षा औद्योगिक सहयोग को और गहरा करना अहम है।

27 को भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर करेंगे हस्ताक्षर, पीएम लक्सन ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। यह जानकारी न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने शुक्रवार को दी। लक्सन ने एक्स पर कहा कि हम सोमवार को भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके साथ ही लक्सन ने एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे यह एफटीए न्यूजीलैंड के लिए फायदेमंद होगा। इस दौरान उन्होंने एक फैक्ट्री का भी दौरा किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में लक्सन ने कहा कि मैं क्राइस्टचर्च में मौजूद हैमिल्टन जेट के प्लांट में हूं। यह कंपनी 70 से ज्यादा देशों में बोट में इस्तेमाल होने वाले जेट इंजन का निर्यात करती है। फिलहाल इस कंपनी को टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। इस डील से अब वाटर जेट पर 8.25 फीसदी का टैरिफ भारत को होने वाले निर्यात पर लगेगा। इससे कई हाई-स्किल रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस हफ्ते की शुरुआत में न्यूजीलैंड के ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट मंत्री टोड मैक्ले ने कहा था कि भारत-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एफटीए में लीगल वेरिफिकेशन का काम पूरा हो चुका है और दोनों देश 27 अप्रैल को समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

करोल बाग में युवक को मारी गोली, हालत नाज़ुक

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। मध्य जिले के करोल बाग इलाके में गुरुवार देर रात गोलीबारी की घटना सामने आई है। जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने शुक्रवार को बताया कि रात करीब 3:55 बजे लेडी हार्डिंग अस्पताल से सूचना मिली। जिसमें रोहित नामक युवक को गोली लगने की सूचना दी गई। घायल रोहित आनंद पर्वत इलाके के थान सिंह नगर का रहने वाला है। प्राथमिक जांच में घटना स्थल करोल बाग थाना क्षेत्र का पाया गया। अस्पताल में भर्ती रोहित फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में है। उसने पुलिस को शुरुआती बयान में हमलावरों के बारे में कुछ जानकारी दी है, जिसके आधार पर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी गई है। इधर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और की टीम ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके से दो खाली कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि हमलावरों ने तीन राउंड फायरिंग की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हमले के पीछे की वजह का अभी पता नहीं चल सका है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्धों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

आम आदमी पार्टी के सात सांसदों ने पार्टी छोड़ी, भाजपा में विलय किया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा के सात सदस्यों ने अपने दल की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय करने का फैसला किया है।पार्टी के सांसद- राघव चड्ढा, अशोक मित्तल एवं संदीप पाठक ने शुक्रवार को यहां संविधान क्लब में संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। चड्ढा ने कहा, "राज्यसभा में आआपा के 10 सांसद हैं, उनमें से दो तिहाई से ज्यादा इसमें हमारे साथ हैं। उन्होंने हस्ताक्षर किए हैं और आज सुबह हमने राज्यसभा के सभापति को हस्ताक्षरित पत्र और दस्तावेज सौंप दिए। उनमें से 3 यहां आपके सामने हैं। हमारे अलावा हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रम साहनी और स्वाति मालीवाल हैं।" राघव चड्ढा ने कहा, "आआपा, जिसे मैंने अपने खून-पसीने से सींचा और अपनी जवानी के 15 साल दिए, अब अपने सिद्धांतों, मूल्यों और बुनियादी नैतिकताओं से भटक गई है। अब यह पार्टी देश के हित में नहीं, बल्कि अपने निजी फ़ायदे के लिए काम करती है... पिछले कुछ सालों से, मुझे यह महसूस हो रहा था कि मैं गलत पार्टी में सही आदमी हूँ। इसलिए, आज हम यह घोषणा करते हैं कि मैं आआपा से खुद को अलग कर रहा हूँ और जनता के करीब जा रहा हूँ।" संसद के उच्च सदन में आम आदमी पार्टी के उपनेता रहे चड्ढा ने कहा, "हमने फैसला किया है कि हम राज्यसभा में आआपा के दो तिहाई सदस्य भारत के संविधान के प्रावधानों का पालन करेंगे और (एक पार्टी के रूप में) खुद को भाजपा में विलय करेंगे।" राघव चड्ढा ने कहा, "पिछले 12 सालों में भाजपा की केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई ऐसे फैसले लिए हैं जो कि आज से पहले कई नेता लेने से डरते थे। इस नेतृत्व पर जनता ने एक बार नहीं बल्कि तीन बार मुहर लगाई है। हम प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के लिए काम करेंगे।"

झाबुआ में महिला के साथ अमानवीय व्यवहार पर एनएचआरसी का डीएम-एसपी को नोटिस

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में एक महिला और उसके पति के साथ कथित अमानवीय व्यवहार के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में ग्रामीणों द्वारा महिला के बाल मुंडवाकर उसे और उसके पति को कंधों पर उठाकर घुमाने की घटना सामने आने के बाद आयोग ने इसे गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन माना है। आयोग ने शुक्रवार को झाबुआ के जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने कहा है कि यदि मीडिया रिपोर्ट सही पाई जाती है, तो यह मानव गरिमा और मौलिक अधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला है। आयोग के अनुसार, 15 अप्रैल 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि 13 अप्रैल 2026 को ग्रामीणों ने एक महिला के बाल मुंडवाकर उसे और उसके पति को सार्वजनिक रूप से अपमानित किया। दोनों को कंधों पर उठाकर पूरे गांव में घुमाया गया। ग्रामीणों का आरोप था कि महिला घर छोड़कर भाग गई थी, जिसके कारण उसे इस तरह की कथित 'सजा' दी गई। यह पूरी घटना सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के माध्यम से सामने आई, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने महिला का पता लगाया और उसे सुरक्षा मुहैया करवाई। पुलिस ने इस मामले में शामिल लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है और कुछ आरोपितों को गिरफ्तार भी किया गया है। हालांकि, आयोग ने यह स्पष्ट किया है कि केवल प्राथमिकी दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पीड़िता को न्याय और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है। एनएचआरसी ने अपनी रिपोर्ट में जांच की वर्तमान स्थिति, आरोपितों के खिलाफ की गई कार्रवाई तथा पीड़ित महिला को दिए गए मुआवजे (यदि कोई हो) का पूरा विवरण शामिल करने का निर्देश दिया है। आयोग ने संकेत दिया है कि रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के डीजीपी को दिया निर्देश- बच्ची से रेप-हत्या मामले में महिलाओं वाली एसआईटी गठित करें

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को गाजियाबाद में चार साल की लड़की के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले की जांच के लिए पूरी तरह महिलाओं वाली विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करने का निर्देश दिया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने एसआईटी को दो सप्ताह में जांच पूरी करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि एसआईटी की कमान पुलिस आयुक्त या महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी को देने के के साथ ही 25 अप्रैल की सुबह 11 बजे तक नोटिफिकेशन जारी करने का आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने एसआईटी को ट्रायल कोर्ट में पूरक चार्जशीट दाखिल करने और इसकी जानकारी उच्चतम न्यायालय को हलफनामा के जरिये देने को कहा। उच्चतम न्यायालय ने एसआईटी को निर्देश दिया कि वो दो अस्पतालों की भूमिका की भी जांच करे। गत 13 अप्रैल को कोर्ट ने इस मामले में एफआईआर दर्ज करने में यूपी पुलिस की ओर से आनाकानी करने पर गहरा असंतोष जताया था। कोर्ट ने कहा था कि हर स्तर पर असहयोग बरता गया। पुलिस से लेकर अस्पताल तक मदद में कोताही बरती गई। सुनवाई के दौरान यूपी सरकार की ओर से पेश एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि इस मामले में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है और संबंधित कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान ले लिया है। उसके बाद कोर्ट ने गाजियाबाद पुलिस को पीड़िता के परिवार को चार्जशीट की प्रति उपलब्ध कराने का आदेश दिया। कोर्ट ने गाजियाबाद के उन दो अस्पतालों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया जिन्होंने इलाज करने से इनकार कर दिया था। इसके पहले कोर्ट ने 10 अप्रैल को मामले की लचर जांच के लिए पुलिस कमिश्नर और जांच अधिकारी को तलब किया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पीड़िता के पिता के वकील एन. हरिहरन की दलीलों पर गौर किया था, जिसमें कहा गया कि पुलिस ने जांच में काफी लापरवाही बरती है। लड़की के पिता दिहाड़ी मजदूर हैं। दो निजी अस्पतालों ने भी लड़की का इलाज करने से इनकार कर दिया। इस पर चीफ जस्टिस ने दोनों अस्पतालों को उनकी असंवेदनशीलता के लिए फटकार लगाई।दरअसल, 16 मार्च क पीड़िता को उसके पड़ोसी ने चॉकलेट खरीदने के बहाने बाहर ले गया। जब लड़की नहीं लौटी तो उसके पिता ने काफी खोजबीन की।

दिल्ली के आदर्श नगर हत्याकांड में फरार आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के आदर्श नगर थाना क्षेत्र में हुए चर्चित हत्याकांड में फरार चल रहे आरोपितों में से एक को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने गिरफ्तार किया है। आरोपित वारदात के बाद से लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बच रहा था और राजधानी से फरार होने की कोशिश में था, लेकिन पुलिस की सटीक सूचना और रणनीति के चलते वह आखिरकार गिरफ्त में आ गया।क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त राहुल अलवल ने शुक्रवार को बताया कि 23 अप्रैल को टीम को विशेष गुप्त सूचना मिली थी कि हत्या के मामले में वांछित आरोपित अरबाज़ अली दिल्ली से बाहर भागने की फिराक में है और आउटर रिंग रोड के रास्ते निकल सकता है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एएनटीएफ की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुकुंदपुरपुर और बुराड़ी के बीच आउटर रिंग रोड पर जाल बिछाया। कुछ ही देर में संदिग्ध गतिविधि के आधार पर आरोपित की पहचान कर उसे मौके से दबोच लिया।जांच में सामने आया है कि 19 अप्रैल 2026 को आरोपित अरबाज अली ने अपने साथियों रितिक और कुणाल के साथ मिलकर आजादपुर स्थित ट्रांसपोर्ट सेंटर झुग्गी इलाके में एक दंपति पर जानलेवा हमला किया था। आरोपितों ने राखी और उसके पति अंशु पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार किए थे। हमले में गंभीर रूप से घायल राखी को अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जबकि उसका पति अंशु घायल अवस्था में बच गया। घटना के बाद तीनों आरोपित मौके से फरार हो गए थे। स्थानीय पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सह-आरोपित रितिक और कुणाल को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था लेकिन अरबाज अली लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई टीमों को लगाया गया था और उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही थी। पुलिस उपायुक्त के अनुसार क्राइम ब्रांच की एएनटीएफ ने तकनीकी निगरानी और मुखबिरों की मदद से आरोपित की लोकेशन ट्रैक की। जैसे ही यह जानकारी मिली कि वह दिल्ली छोड़ने की कोशिश कर रहा है, टीम ने ऑपरेशन को अंजाम देते हुए उसे धर दबोचा। पूछताछ के दौरान आरोपित ने वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। पुलिस के अनुसार अरबाज़ अली की उम्र 20 वर्ष है और वह मुकुंदपुर पार्ट-1 व शालीमार गांव इलाके का रहने वाला है। प्रारंभिक जांच में उसका कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है। उसे संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस ने पांच नाबालिगों को खोजकर परिवार से मिलवाया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने अलग-अलग ऑपरेशन चलाकर पांच लापता नाबालिग बच्चों को खाजेकर उनके परिवारों से मिलाया है। दिल्ली और उप्र के विभिन्न इलाकों में चलाए गए इन अभियानों में पुलिस ने तकनीकी निगरानी से यह सफलता हासिल की। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार ने शुक्रवार को बताया कि इन पांच मामलों में सबसे खास मामला एक 14 वर्षीय लड़के का रहा, जो वर्ष 2021 से लापता था। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देश पर जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई थी और बच्चे का सुराग देने पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। लंबी तलाश के बाद टीम ने उसे त्रिलोकपुरी इलाके से उसे बरामद किया। जांच में सामने आया कि वह पढ़ाई न करने पर परिजनों की डांट से परेशान होकर घर छोड़कर चला गया था। इसके बाद उसने करीब दो साल राजस्थान में खेती से जुड़ा काम किया और फिर तीन साल तक मेरठ में बैंड बाजा में काम करता रहा। दूसरे मामले में 16 वर्षीय किशोरी 19 मार्च 2026 से लापता थी। जांच के दौरान पता चला कि वह अपने पड़ोस के एक युवक के संपर्क में थी, जो अपने परिवार के साथ उप्र के जालौन चला गया था। लड़की भी 13 अप्रैल को ट्रेन से जालौन पहुंच गई और वहीं उसके घर पर रह रही थी। पुलिस टीम ने उसे सुरक्षित बरामद कर लिया। तीसरे मामले में 14 वर्षीय लड़की 22 अप्रैल को घर से लापता हो गई थी। पूछताछ में पता चला कि वह मां की डांट-फटकार से नाराज होकर घर छोड़कर चली गई थी और आसपास के इलाके में भटकती रही। एक महिला ने उसे रात में खाना और ठहरने की जगह दी। पुलिस ने उसे हैदरपुर इलाके से ढूंढ लिया। चौथे मामले में 16 वर्षीय किशोरी 17 अप्रैल से लापता थी। उसने अपने दोस्तों के साथ बिहार जाने की योजना बनाई थी और बिना बताए घर से निकल गई थी। पुलिस ने उसे बवाना इलाके से बरामद किया।पांचवें मामले में 16 वर्षीय लड़की मां की डांट से नाराज होकर घर छोड़कर अपने रिश्तेदारों के पास उप्र के सुल्तानपुर चली गई थी। उसे बुराड़ी इलाके से ढूंढ लिया गया। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों का कहना है कि हर लापता बच्चे की शिकायत को गंभीरता से लिया जाता है और समय रहते कार्रवाई कर उन्हें सुरक्षित वापस लाने का प्रयास किया जाता है।

हरियाणा में दो सफाईकर्मियों की मौत को लेकर मानवाधिकार आयोग ने लिया संज्ञान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उस मीडिया रिपोर्टों का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें हरियाणा के नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका क्षेत्र स्थित अंबेडकर चौक पर सीवर लाइन की सफाई के दौरान जहरीली गैसों के कारण दो सफाईकर्मियों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। आयोग ने नूंह नगर आयुक्त और पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। आयोग ने रिपोर्ट में जांच की स्थिति, घायल व्यक्ति का स्वास्थ्य और उसे तथा मृतक के परिजनों को दिए जाने वाले मुआवजे का विवरण शामिल करने का आग्रह किया है।आयोग ने चिंता व्यक्त की है कि उच्चतम न्यायालय के दिशानिर्देशों के बावजूद ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति हुई है, जिसमें सफाई कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरणों के साथ सीवर लाइनों की मशीनीकृत सफाई पर जोर दिया गया है।आयोग के मुताबिक तीन श्रमिकों में से एक सबसे पहले सीवर लाइन में उतरा और बेहोश हो गया। उसकी मदद करने के लिए जब अन्य लोग सीवर में उतरे तो वे भी बेहोश हो गए। उन्हें बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राज्य सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) की ओर से नियुक्त ठेकेदार ने बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर लाइन की सफाई के लिए तीन कर्मचारियों को तैनात किया था।

युवा कांग्रेस ने दिल्ली में प्रदूषण, गंदगी, पानी की किल्लत, जलभराव जैसी समस्याओं के खिलाफ की 'बेहतर दिल्ली' अभियान की शुरुआत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली: भारतीय युवा कांग्रेस ने देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण, गंदगी, पानी की किल्लत और जलभराव जैसी समस्याओं से जनता को राहत दिलाने के लिए भाजपा सरकार के खिलाफ संघर्ष का ऐलान करते हुए 'बेहतर दिल्ली' अभियान की शुरुआत की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब और दिल्ली युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कांग्रेस कार्यालय में इस मुहिम का रोडमैप साझा किया। अजय माकन ने कहा कि युवा कांग्रेस ने देश के शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए एक जरूरी पहल की है, जिसकी शुरुआत दिल्ली से हो रही है। युवा कांग्रेस ने तय किया है कि वह जरूरी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं पर चर्चा करेगी और उनके समाधान के लिए जरूरी कदम उठाएगी। माकन ने कहा कि देश की लगभग 40 प्रतिशत आबादी शहरों में रहती है, लेकिन उनकी समस्याओं पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मनरेगा के कमजोर होने से गांवों से पलायन बढ़ेगा और शहरों पर दबाव बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि शहरों में रहने वाले विभिन्न वर्गों की अलग-अलग समस्याएं हैं, जिन्हें समझकर युवा कांग्रेस उनका समाधान निकालने का अभियान चलाने जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि देश के अन्य शहरों में भी चलाया जाएगा।

इंडिया ऑटिज़्म सेंटर ने न्यूरोडाइवर्स एथलीट्स का सम्मान किया और 'स्पोर्ट्स फॉर ऑल' के माध्यम से समावेशी खेल पारिस्थितिकी तंत्र को आगे बढ़ाया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली : विश्व ऑटिज़्म जागरूकता माह के अवसर पर, इंडिया ऑटिज़्म सेंटर (आईएसी), जो ऑटिज़्म और संबंधित न्यूरोडेवलपमेंटल स्थितियों वाले व्यक्तियों का समर्थन करने वाला एक प्रमुख गैर-लाभकारी संगठन है, 'स्पोर्ट्स फॉर ऑलः बिल्डिंग एन इक्विटेबल स्पोर्टिंग इकोसिस्टम फॉर ऑल' पहल का आयोजन किया। यह पहल द क्वांटम हब, स्पेशल ओलंपिक्स भारत और द एक्सेसिबिलिटी कोएलिशन के सहयोग से आयोजित की गई, जिसने नीति-निर्माताओं, प्रैक्टिशनर्स, पैरा और विशेष एथलीट्स, तथा समावेशन के पक्षधर लोगों को एक साथ लाकर खेलों में समान पहुंच और भागीदारी पर चर्चा को आगे बढ़ाया। यह पहल आईएसी की समावेशी अवसरों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, साथ ही इसके दीर्घकालिक दृष्टिकोण 'समावेश' को आगे बढ़ाती है जो भारत का सबसे बड़ा स्थायी, समुदाय-आधारित आजीवन देखभाल और समर्थन का आवासीय पारिस्थितिकी तंत्र है। कार्यक्रम में एक सम्मान समारोह शामिल था, जिसमें युवा न्यूरोडाइवर्स एथलीट्स को सम्मानित किया गया। इस समारोह का नेतृत्व डॉ. मल्लिका नड्डा, अध्यक्ष, स्पेशल ओलंपिक्स भारत, श्रीमती गीता मंडाविया, संरक्षक सदस्य, स्पेशल ओलंपिक्स गुजरात, श्री जयशंकर नटराजन, निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, इंडिया ऑटिज़्म सेंटर, सुश्री साखी सिंघी, गवर्निंग बॉडी सदस्य एवं प्रमुख – कम्युनिकेशन्स, पार्टनरशिप्स, फंडरेज़िंग और टैलेंट एक्विज़िशन, इंडिया ऑटिज़्म सेंटर, तथा श्री रोहित कुमार, संस्थापक भागीदार, द क्वांटम हब द्वारा किया गया। इसमें 'बिल्डिंग एन इक्विटेबल स्पोर्टिंग इकोसिस्टमः ब्रिजिंग ट्रेनिंग, सीएसआर, एंड पॉलिसी' विषय पर एक मल्टी-स्टेकहोल्डर पैनल चर्चा भी शामिल थी, जिसका संचालन निपुण मल्होत्रा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निपमैन फाउंडेशन एवं निदेशक डिसएबिलिटी एंड इन्क्लूज़न, द क्वांटम हब ने किया। इस पहल का मूल उद्देश्य खेल जैसे दैनिक पारिस्थितिकी तंत्रों में समावेशन को स्थापित करना है, जिससे भागीदारी से आगे बढ़कर कौशल-विकास, आत्मविश्वास और दीर्घकालिक विकास के लिए संरचित मार्ग तैयार किए जा सकें। सम्मान समारोह में ४ युवा न्यूरोडाइवर्जेंट तैराकों — मेका श्री अश्वथ (११ वर्षीय), गुंटुरु लव (९ वर्षीय), गुंटुरु कुश (९ वर्षीय), और थनवेश नवीन (१० वर्षीय), की उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता दी गई, जिन्होंने तमिलनाडु के धनुषकोडी से श्रीलंका के तलाईमन्नार तक और वापस पाल्क स्ट्रेट में ६० किमी ओपन वाटर रिले तैराकी केवल १८ घंटों में पूरी की।

हाई कोर्ट ने दिल्ली दंगों की आरोपित इशरत जहां को मिली जमानत नहीं की रद्द

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिल्ली हिंसा की साजिश रचने के मामले में आरोपित इशरत जहां को ट्रायल कोर्ट से मिली जमानत निरस्त करने की याचिका खारिज कर दी है। दिल्ली पुलिस की याचिका खारिजकरते हुए कोर्ट ने कहा कि इशरत जहां को चार साल पहले जमानत मिली थी। उसके बाद काफी समय हो गया है। इशरत जहां ने जमानत की शर्तों का उल्लंघन भी नहीं किया है। ऐसे में जमानत निरस्त करने का कोई आधार नहीं बनता है। दरअसल, 14 मार्च, 2022 को कड़कड़डूमा कोर्ट ने इशरत जहां को जमानत दी थी। इशरत जहां को 26 फरवरी, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। इशरत जहां के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 109, 147, 148, 149, 186, 307, 332, 353 और 34 और आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक इशरत जहां ने भीड़ को उकसाते हुए कहा कि हम चाहें मर जाएं, लेकिन हम यहां से नहीं हटेंगे, चाहे पुलिस कुछ भी कर ले हम आजादी लेकर रहेंगे। पुलिस के मुताबिक 26 फरवरी, 2020 को जगतपुरी में न केवल पुलिस पर पथराव हुआ बल्कि गोलियां भी चलाई गई थीं। इस मामले में 18 आरोपितों के खिलाफ यूएपीए के तहत दर्ज मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले में सफूरा जरगर, ताहिर हुसैन, उमर खालिद, खालिद सैफी, इशरत जहां, मीरान हैदर, गुलफिशा, शफा उर रहमान, आसिफ इकबाल तान्हा, शादाब अहमद, तसलीम अहमद, सलीम मलिक, मोहम्मद सलीम खान, अतहर खान, शरजील इमाम, फैजान खान, नताशा नरवाल और देवांगन कलीता को आरोपित बनाया गया है। इनमें इशरत जहां, सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तान्हा, देवांगन कलीता, नताशा नरवाल, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शादाब अहमद और मोहम्मद सलीम खान को जमानत मिल चुकी है।

प्रशांत द्वीपीय देशों वानुअतु, तुवालु के दौरे पर विदेश राज्यमंत्री मार्गेरिटा

लोकतंत्र की शान

पोर्ट विला। विदेश राज्यमंत्री पबित्रा मार्गेरिटा 22 से 25 अप्रैल तक दक्षिण प्रशांत महासागर के द्वीपीय देशों वानुअतु और तुवालु की आधिकारिक यात्रा पर रहे। यह दौरा प्रशांत द्वीपीय देशों के साथ भारत के राजनीतिक और विकासात्मक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया। राज्य मंत्री मार्गेरिटा ने अपनी यात्रा के पहले चरण में वानुअतु के प्रधानमंत्री जोथम नापत और विदेश मंत्री जेवियर इमैनुएल हैरी के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इस दौरान उन्होंने यहां पोर्ट विला में भारत सरकार की सहायता से स्थापित 'सूचना प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र' का दौरा भी किया।मार्गेरिटा ने वानुअतु के पीएम से मुलाकात के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा वानुअतु के प्रधानमंत्री जोथम नापत से भेंट करके मुझे गर्व का अनुभव हुआ। हमने प्रमुख क्षेत्रों में भारत-वानुअतु द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर सौहार्दपूर्ण और सार्थक चर्चा की, जिसके माध्यम से हमने अपने लोगों के कल्याण और प्रगति के प्रति अपनी साझा प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा वानुअतु के कार्यवाहक विदेश मंत्री जेवियर इमैनुएल हैरी से मिलकर मुझे प्रसन्नता हुई। भारत और वानुअतु के बीच आपसी विश्वास और साझा मूल्यों पर आधारित एक मजबूत साझेदारी है। हमने द्विपक्षीय विकास सहयोग को आगे बढ़ाने पर सार्थक चर्चा की, विशेष रूप से स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण और जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में। हमने बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग के विषय पर भी चर्चा की। वानुअतु की विकास यात्रा में भारत एक प्रतिबद्ध और विश्वसनीय भागीदार बना रहेगा।इसके बाद राज्य मंत्री तुवालु पहुंचे, जहां वे देश के प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ द्विपक्षीय बैठकों में शामिल होंगे। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान वे भारत के 'सहायता अनुदान' कार्यक्रम के तहत चल रही विकास सहायता परियोजनाओं की समीक्षा भी करेंगे। उन्होंने यहां पहुंचने पर एक्स पर लिखा तुवालु की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर फुनाफुटी पहुंचा। हमारी पुरानी दोस्ती और साझेदारी को और मजबूत करने के लिए सार्थक मुलाकातों का इंतजार है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा मार्गेरिटा की वानुअतु व तुवालु की यह यात्रा, प्रशांत द्वीप देशों के साथ राजनीतिक और विकासात्मक सहयोग संबंधों को मजबूत करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह यात्रा मई 2023 में पोर्ट मोरेस्बी में आयोजित 'फोरम फॉर इंडिया-पैसिफिक आइलैंड्स कोऑपरेशन' यानी फिपिक के ऐतिहासिक तीसरे शिखर सम्मेलन की निरंतरता में है।

संक्षिप्त समाचार

2027 में 9 की 9 सीटें जीतने का लक्ष्य "कुर्बानी से पीछे नहीं हटेंगे" - शुभलेश यादव,,

Bareilly Sandeep Chandra Uttar Pradesh -:बरेली। जिले में दूसरी बार सपा जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने के बाद शुभलेश यादव के स्वागत में पार्टी कार्यालय पर जोरदार कार्यक्रम आयोजित किया गया। महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को फूल-मालाओं से लादकर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जताई और पूरे माहौल में उत्साह साफ नजर आया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शुभलेश यादव ने साफ कहा कि अब संगठन का एकमात्र लक्ष्य 2027 के विधानसभा चुनाव में बरेली की सभी 9 सीटों पर जीत हासिल करना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर मजबूती पर जोर देते हुए कहा कि कमजोर बूथों की समीक्षा कर वहां मजबूत कार्यकर्ताओं की तैनाती की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है और हर हाल में जीत सुनिश्चित करनी होगी। जिलाध्यक्ष ने निष्क्रिय नेताओं को भी दो टूक संदेश देते हुए कहा कि अब या तो वे सक्रिय होकर पार्टी के लिए काम करें या फिर काम करने वालों को आगे आने दें। उन्होंने कहा कि पार्टी की मजबूती के लिए किसी भी तरह की कुर्बानी देने से वे पीछे नहीं हटेंगे और अब संगठन में किसी को निष्क्रिय नहीं रहने दिया जाएगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी ने जिलाध्यक्ष को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि जिला और महानगर संगठन मिलकर इस बार नया इतिहास रचेंगे। कार्यक्रम का संचालन महानगर महासचिव पंडित दीपक शर्मा ने किया।इस मौके पर पूर्व विधायक विजय पाल सिंह, सुल्तान बेग, पूर्व मेयर सुप्रिया ऐरन, इंजीनियर अनीस अहमद, संजीव सक्सेना, अगम मौर्या, कदीर अहमद, डॉ. अनीस बेग, शिव प्रताप यादव समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीजेपी जन कल्याण मंच ने महिला इकाई का किया विस्तार, बबीता सैनी को बनाया जिला अध्यक्ष

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : शुक्रवार को बीजेपी जन कल्याण मंच द्वारा अमरोहा जिले की महिला इकाई का विस्तार किया गया, भाजपा जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने अपने हसनपुर स्थित कैंप कार्यालय पर संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नए पदाधिकारी को नियुक्ति पत्र सौपे तथा कुछ को पदोन्नति किया, इस क्रम में संगठन विस्तार करते हुए संगठन में सक्रिय भूमिका निभाने वाली बबीता सैनी को जिला उपाध्यक्ष से पदोन्नति करते हुए अमरोहा जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष बनाया गया, वहीं सीमा यादव को नगर उपाध्यक्ष से पदोन्नति करते हुए जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया, कांता सैनी को नगर अध्यक्ष कार्यकारिणी अमरोहा महिला मोर्चा तथा ममता सैनी को नगर उपाध्यक्ष अमरोहा, हिमांशु सैनी को नगर महामंत्री अमरोहा, अभिषेक सैनी को नगर मंत्री अमरोहा का दायित्व सोपा गया, नवनियुक्त और पदोन्नति पदाधिकारी को भाजपा का पटका पहनाकर सम्मानित भी किया गया तथा सभी को संबंधित नियुक्ति पत्र भी सौंप गए, इस बीच कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है श्री खड़कवंशी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह धरातल पर उतरकर भाजपा की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं और कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को जागरूक करें, वहीं जिला अध्यक्ष ने बताया कि संगठन की सक्रियता बढ़ाने के लिए जल्द ही जिले की पूर्ण कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा, इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारी के साथ बबलू सिंह सेन, उपेंद्र कुमार, सुशील भगत जी आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद रहे।

भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष का हुआ जोरदार स्वागत, सदस्यता बढ़ाने पर दिया गया जोर

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : शुक्रवार को भारतीय किसान संघ के तेलंगाना निवासी राष्ट्रीय अध्यक्ष के साईं रेड्डी के हसनपुर पहुंचने पर ब्लाक सभागार हसनपुर में आयोजित प्रेस वार्ता से पूर्व कार्यकर्ताओं ने फूल माला एवं पटका पहना कर पगड़ी पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया। वही अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने पूरे जिले के प्रत्येक गांव में सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक सदस्य बनाकर संगठन को मजबूत करने की अपील की। कहा कि बिना संगठन की मजबूती के समस्याओं का समाधान नहीं होता। किसानो की समस्याओं के तुरंत समाधान की जरूरत बताई। गन्ने के रेट को लेकर बोले हरियाणा पंजाब में गन्ने का रेट अधिक है, जवकी उत्तर प्रदेश में कम है इसके बाद भी किसानों को गन्ना भुगतान समय पर नहीं मिलता।इसे लेकर असंतोष व्यक्त किया । अमरोहा जनपद में सहकारी समितियां पर 7% की ब्याज दर वसूली जा रही है जबकि प्रदेश के अन्य जिलों में 3 प्रतिशत ब्याज की ही वसूली की जा रही है यहां भी इसे अविलंब 3% किया जाए उन्होंने बताया कि भारतीय किसान संघ की स्थापना 4 मार्च सन 1979 को राजस्थान के कोटा शहर में हुई। स्थापना के समय से ही संगठन किसान हित में कार्य कर रहा है।कार्यकर्ताओं से अनुशासन में रहकर राष्ट्र हित को ध्यान में रखकर कार्य करने की आवश्यकता बताई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष भैया राम मौर्य, प्रांत अध्यक्ष संजीव चौधरी, प्रदेश संगठन मंत्री शिवकांत दीक्षित, प्रांत संगठन मंत्री सुनील कुमार सिंह, विभाग संगठन मंत्री रामपाल सिंह, रमेश सिंह, प्रांत महामंत्री डॉ कुलदीप सिंह, प्रांत उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह,जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा, जिला मंत्री सम्भल भूपेंद्र सारस्वत, ओमवीर सिंह, धर्मपाल सिंह, महिपाल सिंह,शिवचरण सिंह, एड हरिप्रकाश राणा, उमेश सैन, रोहताश सिंह, मा करणसिंह,जयप्रकाश शर्मा आदि सहित भारी संख्या में भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रहित और जन कल्याण के लिए समर्पित कृष्ण कुमार शर्मा को किया गया सम्मानित

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। समाजसेवा और राष्ट्रभक्ति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को जब पहचान मिलती है, तो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी कड़ी में भारतीय किसान संघ द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष और राष्ट्र सेवी संगठन के अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. सांई रेड्डी की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान कृष्ण कुमार शर्मा को पारंपरिक रूप से पगड़ी पहनाकर और पटका भेंट कर सम्मानित किया गया। यह दृश्य न केवल सम्मान का प्रतीक था, बल्कि उनके द्वारा किए गए वर्षों के जमीनी कार्यों के प्रति कृतज्ञता भी थी। राष्ट्रहित और समाज सुधार का संगम । इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा ने कृष्ण कुमार शर्मा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कृष्ण कुमार शर्मा का जीवन जनहित और राष्ट्रहित के लिए पूरी तरह समर्पित है। वे न केवल किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हैं, बल्कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए भी निरंतर जागरूकता अभियान चलाते हैं। सम्मान समारोह में वक्ताओं ने कृष्ण कुमार शर्मा के बहुआयामी कार्यों की सराहना की,प्रशासनिक स्तर पर किसानों की आवाज उठाना और उनकी समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना उनकी कार्यशैली का अभिन्न हिस्सा रहा है। यह सम्मान न केवल कृष्ण कुमार शर्मा की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि उन सभी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन है जो निस्वार्थ भाव से राष्ट्र निर्माण में जुटे हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने उनके दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर प्रांत उपाध्यक्ष चौ नरेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष चंद्रप्रकाश शर्मा जी, जिला मंत्री आलोक चौहान, प्रांत गन्ना मंत्री महिपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष शिवचरन सैनी आदि मौजूद रहे।

जातिवाद के नाम पर देश को लूटने वाले राष्ट्रद्रोहियों से सावधान रहें: सीएम योगी

लोक तंत्र की शान

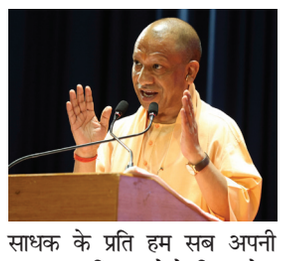

लखनऊ। "राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की कालजयी कृति 'रश्मिरथी' आज भी समाज और राष्ट्र को दिशा देने वाली प्रेरणा है। यदि भारत को मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित बनाना है तो जातिवाद के नाम पर समाज को बांटने वाली शक्तियों से सावधान रहना होगा।" ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय 'रश्मिरथी पर्व' के शुभारंभ एवं 'रश्मिरथी से संवाद' स्मारिका के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रकवि दिनकर की कालजयी काव्यकृति 'रश्मिरथी' के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। साहित्य के ऐसे सशक्त साधक के प्रति हम सब अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए प्रदेश की राजधानी में एकत्र हैं। यहां हम उनकी कालजयी काव्यकृति पर आधारित नाट्य-श्रृंखला का मंचन देखेंगे। हम देखेंगे कि किस प्रकार मां सरस्वती दिनकर जी की जिह्वा पर विराजती थीं और उनकी लेखनी शब्दों को पिरोती थी। यह सब 'रश्मिरथी' के इस मंचन के माध्यम से हम सभी को देखने-सुनने को मिलेगा। इस अवसर पर दिनकर जी की स्मृतियों को नमन करते हुए मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

संभल पुलिस में नई तैनातियों से बढ़ी मजबूती, अधिकारियों की कार्यशैली की हो रही सराहना

लोक तंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

थाना हजरत नगर गढ़ी प्रभारी बनाए गए संजय कुमार

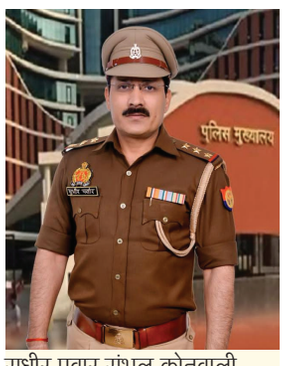

सुधीर पवार संभल कोतवाली प्रभारी बनाए गए

संभल। जनपद की कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संभल द्वारा महत्वपूर्ण प्रशासनिक बदलाव किए गए हैं। इसी क्रम में जनपद के तेज-तर्रार एवं कर्मठ अधिकारी संजय कुमार को थाना प्रभारी हजरत नगर गढ़ी नियुक्त किया गया है, जबकि ईमानदार और अनुशासनप्रिय अधिकारी सुधीर पवार को संभल नगर थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नव नियुक्त थाना प्रभारी संजय कुमार अपने कर्तव्यनिष्ठ व्यवहार, सख्त कार्यशैली और जनता के प्रति संवेदनशील रवैये के लिए जाने जाते हैं। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में अपराध पर लगाम लगाने और आमजन में सुरक्षा की भावना को और मजबूत करने की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि उनके नेतृत्व में हजरत नगर गढ़ी थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और बेहतर होगी। वहीं, सुधीर पवार की पहचान एक जुझारू, ईमानदार और सक्रिय पुलिस अधिकारी के रूप में है। संभल नगर थाना प्रभारी के रूप में उनकी तैनाती से शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और जनसुनवाई में तेजी आने की उम्मीद है। वे अपने कड़े अनुशासन और निष्पक्ष कार्यप्रणाली के लिए पहले से ही जाने जाते हैं।

जनपदवासियों और सामाजिक संगठनों ने इन दोनों अधिकारियों की नियुक्ति का स्वागत करते हुए विश्वास जताया है कि उनकी कार्यकुशलता और नेतृत्व क्षमता से संभल जिले में कानून-व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा जनता को न्याय और सुरक्षा का बेहतर माहौल मिलेगा।

लखनऊ में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह बदलाव वैज्ञानिक तकनीकों, एग्रो-क्लाइमेटिक जोन आधारित रणनीति तथा केंद्र-राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। यूपी में "लैब टू लैंड" की अवधारणा धरातल पर उतर चुकी है, जिससे किसानों को सीधे लाभ मिल रहा है। कृषि विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि, प्रति हेक्टेयर उत्पादन में रिकॉर्ड सुधार, बहुफसली खेती का विस्तार और वैल्यू एडिशन पर बढ़ता फोकस इस परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों, अंतरराष्ट्रीय कृषि केंद्रों की स्थापना, कृषि विज्ञान केंद्रों के सशक्तीकरण और प्रगतिशील किसानों की भूमिका को इस बदलाव का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

भिन्न-भिन्न एग्रो-क्लाइमेटिक जोन के अनुरूप बनें नीतियां- अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि अलग-अलग देशों और क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न एग्रो-क्लाइमेटिक जोन होने के कारण नीतियां भी उसी अनुरूप तय की जानी चाहिए। यदि अलग-अलग जोन में इस प्रकार की गोष्ठियां आयोजित की जाएं तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि गत वर्ष 'विकसित कृषि अभियान' और 'खेती की बात, खेत में' कार्यक्रम के दौरान उन्हें कई जनपदों में जाने का अवसर मिला, जहां किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि शिक्षा से जुड़े प्रशिक्षुओं में अभूतपूर्व उत्साह व जिज्ञासा देखने को मिली। पहली बार इनोवेशन को सीधे व्यावहारिक धरातल पर उतारने का अवसर मिला है। पहले लैब में होने वाले अनुसंधान को लैंड तक पहुंचने में काफी समय लगता था, लेकिन अब "लैब टू लैंड" की अवधारणा साकार हो चुकी है और तकनीक सीधे खेत तक पहुंच रही है। इस अभिनव पहल के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस अवधारणा को व्यवहारिक रूप से देशभर में लागू करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है।

डिलीवरी के दौरान हुई जच्चा की मौत, परिजनों ने जमकर किया हंगामा, लगाया लापरवाही का आरोप

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। गुरुवार की देर रात क्षेत्र के एक अस्पताल की लापरवाही ने जच्चा की जान ले ली। गुस्साये परिजनों ने अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा काटा, वही स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल की ओटी को सील कर दिया। बता ते चले कि थाना गजरौला क्षेत्र के गांव सुल्तान ठेर निवासी रजनी पत्नी नेपाल सिंह को गुरुवार की दोपहर प्रसव पीड़ा होने पर हसनपुर के बाईपास मार्ग स्थित केयर '24x7 हॉस्पिटल' में भर्ती कराया था। चिकित्सक की बड़ी लापरवाही के कारण महिला की हालत बिगड़ गई। आनन फानन में महिला को मेरठ ले जाया जा रहा था। लेकिन उसकी रास्ते में ही मौत हो गई। महिला की मौत के बाद अस्पताल में जमकर बवाल होने लगा। गुस्साये परिजनों और ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। जिसके बाद चिकित्सा कर्मी और डॉक्टर मौके से फरार हो गये। परिजनों का आरोप था कि प्रसव के दौरान डॉक्टरों ने घोर लापरवाही बरती है। जिसके कारण रजनी की स्थिति बिगड़ गई और उसकी मृत्यु हो गई। राहत की बात यह रही कि नवजात शिशु पूरी तरह सकुशल है। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण उग्र हो गये। स्थिति को बिगड़ता देख अस्पताल का स्टाफ और डॉक्टर अस्पताल छोड़कर भाग निकले। सूचना मिलते ही क्राइम इंस्पेक्टर अमरपाल सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँच गये। और आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, उधर घटना की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तत्काल कार्रवाई कर दी। प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक एवं नोडल अधिकारी डॉक्टर धुर्वेंद्र सिंह ने अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर को सील कर दिया है। और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक रजनी अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को रोते-बिलखते छोड़ गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे प्रशासन से दोषी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप था कि अस्पताल संचालक स्वयं तो डिग्री धारक है। लेकिन उसने किसी अन्य डॉक्टर से महिला का ऑपरेशन कराया था। जिस कारण महिला की मौत हो गई।

एबीवीपी ने झम्मन लाल डिग्री कॉलेज में प्रैक्टिकल के नाम पर हो रही है अवैध वसूली को लेकर किया प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः शुक्रवार को नगर के झम्मन लाल डिग्री कॉलेज में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेरठ प्रांत के पदाधिकारी ने विद्यालय में छात्र-छात्राओं से प्रैक्टिकल के नाम पर की जा रही अवैध वसूली सहित अन्य मांगों को लेकर विद्यालय में जोरदार प्रदर्शन किया, बताते चले कि नगर के झम्मन लाल डिग्री कॉलेज में प्रैक्टिकल के नाम पर छात्र-छात्राओं से अवैध वसूली का मामला अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सामने आया जिसको लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने महाविद्यालय में धरना प्रदर्शन किया, इस मौके पर प्रदेश महामंत्री विकास शर्मा, जिला प्रमुख पंकज शर्मा, जिला संयोजक राजा शर्मा, हरित कसाना, सिद्धार्थ, गोलू, आर्यन गुप्ता आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे, वही इस संबंध में जिला प्रमुख पंकज शर्मा ने बताया कि विद्यालय में छात्र-छात्राओं से प्रैक्टिकल के नाम पर अवैध वसूली की शिकायत मिली थी जिसको लेकर विद्यालय में धरना प्रदर्शन किया गया तथा विद्यालय प्रशासन द्वारा भविष्य में छात्र-छात्राओं से प्रैक्टिकल के नाम पर हो रही धन उगाही नहीं किए जाने का आश्वासन दिया गया, साथ ही अन्य मांगे भी विद्यालय प्रशासन द्वारा मान ली गई, वहीं उन्होंने बताया कि यदि दोबारा इस प्रकार की कोई शिकायत सामने आती है तो आंदोलन किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल में अब खेला नहीं होगा विकास, बनेगी भाजपा सरकार : भीष्म सिंह खड़कवंशी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

अमरोहा/ हसनपुरः बीजेपी जन कल्याण मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह खड़कवंशी ने पश्चिम बंगाल में हुई बंपर वोटिंग को लेकर पत्रकार वार्ता में अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी, ममता युग का अंत होगा, पश्चिम बंगाल में अब खेला नहीं, विकास होगा, उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता अब बदलाव की ओर है, वही भाजपा के गंगेश्वरी ब्लॉक प्रमुख रहे राजेंद्र खड़कवंशी के समाजवादी पार्टी में जाने को लेकर उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में जाकर उन्होंने बहुत बड़ी गलती की है तथा उनका हाल घर का ना घाट का जैसा होगा, साथ ही उन्होंने यूपी बोर्ड से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को उन्होंने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की और योगी सरकार का धन्यवाद करते हुए कहा कि नकल विहीन परीक्षा केंद्रों पर बच्चों ने पूरी मेहनत के साथ परीक्षा दी जिसका परिणाम सामने है तथा यह विद्यार्थी यूपी का भविष्य है, वहीं उन्होंने नकल विहीन परीक्षा कराने को लेकर योगी सरकार का धन्यवाद अर्पित किया।

बरेलीः डिप्टी सीएम केशव मौर्य का विपक्ष पर वार बोले-नारी शक्ति का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान

लोक तंत्र की शान

बरेली संदीप चन्द्र उत्तर प्रदेश -: बरेली मे आज यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य का हमला अखिलेश यादव जी एक अत्याचारी शासक के रूप में उत्तर प्रदेश को रौंदने का काम किया जनता नारा लगाती थी जिस गाड़ी में सपा का झंडा उस गाड़ी में बैठकर सपा का नारा खाली प्लॉट हमारा एक समय श्रीमती प्रियंका गांधी कांग्रेस की जो सांसद है वो कहा करती थी कि बेटी हूं मैं लड़ सकती हूं लेकिन जब गांधी खानदान में इस परिवार में दो महिलाएं हैं एक श्रीमती सोनिया गांधी है जो राज्यसभा की सांसद हैं एक श्रीमती प्रियंका गांधी जी हैं जो लोकसभा की सदस्य और उत्तर प्रदेश के जो मुख्यमंत्री रहे हैं इसलिए अखिलेश यादव जी वह भी संसद में है और उनकी पत्नी भी सांसद सांसद बनी हुई है इसी के कारण से शायद वो चाहते हैं कि उनके घर की महिलाएं तो संसद जीत में चुन के जाए विधानसभा में चुन के जाए लेकिन बाकी देश की महिलाएं संसद में और विधानसभा में चुन के ना जाए इन दलों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी एक और मैं उल्लेख करना इसलिए चाहूंगा कि अभी पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव हो रहा है टीएमसी की सरकार के विरुद्ध जबरदस्त महिलाओं में गुस्सा है और 90% से अधिक मतदान पहले चरण के चुनाव में हुआ और मैं यह भी कह सकता हूं कि पश्चिम बंगाल में जब 4 मई को वोटों की गिनती होगी तो आधी आबादी के आशीर्वाद से 4 मई टीएमसी गई का जो नारा वह पूरा देश दोहराने का काम करेगा और जिन लोगों ने महिलाओं का विरोध किया उनको सत्ता से हटाने का काम करेगा और 2027 में जब यूपी विधानसभा का चुनाव होगा तो समाजवादी पार्टी महिलाओं के वोट के लिए तरसेगी कांग्रेस पार्टी महिलाओं इसलिए अखिलेश यादव जी एक अत्याचारी शासक के रूप में 2012 से 2017 तक उत्तर प्रदेश को रौंदने का काम किया उस समय जनता नारा लगाती थी जिस गाड़ी में सपा का झंडा उस गाड़ी में बैठा और सपा के लोग कहते थे सपा का नारा खाली प्लाट हमारा जी हां दंगा नहीं होता आज जहां सुशासन है जहां शांति है ये दंगे की आग में बरेली भी झुलसता रहता था प्रदेश भी और पूरा प्रदेश देश नहीं दुनिया में बदनाम है

संक्षिप्त समाचार

होमगार्ड जवान पर जानलेवा हमला और लूट का आरोप, वर्दी में रील वायरल, पटना के आलमगंज थाने में तैनात

लोकतंत्र की शानः : हाजीपुर। बिहार में वर्दी पहनकर रील बनाने पर प्रतिबंध के बावजूद होमगार्ड जवान आनंद कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जवान पर एक युवक पर जानलेवा हमला करने और लूटपाट का भी गंभीर आरोप है। यह घटना वैशाली जिले की है। आरोप है कि 14 नवंबर 2024 की शाम करीब 5 बजे आनंद कुमार और उसके साथियों ने एक युवक पर जानलेवा हमला किया। युवक के बेहोश होने के बाद उसकी जेब से 30 हजार रुपये छीन लिए गए थे। इस संबंध में महनार थाने में कांड संख्या 433/24 दर्ज किया गया है। आरोप है कि नौकरी मिलने के बाद आनंद कुमार रील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर लोगों को धमका रहा है। आनंद कुमार मूल रूप से वैशाली जिले के महनार थाना क्षेत्र के टारा चौरी का निवासी है और वर्तमान में पटना जिले के आलमगंज थाने में होमगार्ड जवान के पद पर तैनात है। वायरल वीडियो में आनंद कुमार वर्दी पहने गाड़ी में बैठकर एक भोजपुरी गीत पर झूमते हुए दिख रहा है। एक अन्य वायरल वीडियो में वह ड्यूटी के दौरान राइफल के साथ ओवरब्रिज पर खड़ा है। पुलिस मैनुअल का उल्लंघन कर वर्दी में वीडियो बनाने की यह प्रवृत्ति लगातार जारी है। ऐसे मामलों में वरीय अधिकारी कार्रवाई करते रहे हैं, लेकिन यह सिलसिला थम नहीं रहा। अब देखना होगा कि आलमगंज थाने में तैनात होमगार्ड जवान आनंद कुमार पर इस वायरल वीडियो और आरोपों को लेकर क्या कार्रवाई की जाती है।

ऑपरेशन के बाद नवजात की मौत, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप, परिजन ने किया हंगामा

लोकतंत्र की शान ,हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना क्षेत्र स्थित आलोक हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद एक नवजात की मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने मंगरू चौक के पास करीब डेढ़ घंटे तक सड़क जाम कर हंगामा किया, जिससे आवागमन बाधित हो गया। सूचना मिलने पर महुआ थाने के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को शांत कराया। महुआ थाना क्षेत्र के छितरौली गांव निवासी अमोद कुमार सिंह की बेटी नेहा कुमारी को डिलीवरी के लिए मंगरू चौक स्थित आलोक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। सामान्य प्रसव न होने पर ऑपरेशन के जरिए बच्चे का जन्म हुआ था, जिससे परिवार में खुशी का माहौल था। परिजनों ने आरोप लगाया है कि डॉक्टर की लापरवाही के कारण जन्म के कुछ ही मिनट बाद नवजात की मौत हो गई। उनका कहना है कि डॉक्टर ने बच्चे का उचित उपचार नहीं किया और परिजनों को यह कहकर सौंप दिया कि बच्चे की स्थिति ठीक नहीं है, इसे दूसरे अस्पताल ले जाकर इलाज कराएं। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि अस्पताल ने उन्हें बच्चे को दूसरे अस्पताल ले जाने के लिए न तो कोई साधन उपलब्ध कराया और न ही कोई कर्मी साथ भेजा। उल्लेखनीय है कि नवजात के पिता की दो महीने पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी, जिसके बाद नेहा कुमारी अपने मायके में रह रही थीं। विवाद बढ़ने पर अस्पताल संचालक मौके पर पहुंचे और कुछ रुपए देकर मामले को शांत कराया। आक्रोशित लोगों ने आरोप लगाया कि डॉक्टर लापरवाही बरत रहे हैं, जिससे अस्पतालों में जानें जा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिले भर में अवैध अस्पतालों और बिना डिग्री वाले डॉक्टरों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई अब ठंडे बस्ते में पड़ गई है।

गर्लफ्रेंड को घर में घुसकर मारी गोली, फिर खुद को शूट कर किया सुसाइड, लड़की की शादी तय होने से था नाराज

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली में एक युवक ने घर में घुसकर पहले युवती को गोली मारी, फिर खुद को भी गोली मार ली। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवती घायल है और हाजीपुर सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान पंकज सहनी (24) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवती गंगा कुमारी (19) की शादी तय हो गई थी, जिससे वह नाराज था। हालांकि, युवती के पिता ने दोनों के बीच किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि रुपए लूटने के लिए घर में घुसा था, जिसका मेरी बेटी ने विरोध किया था। फिलहाल पुलिस ने माले की जांच शुरू कर दी है। FSL की टीम को भी बुलाया गया है।घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव की है। गुरुवार शाम करीब 7 बजे गंगा कुमारी घर में अकेली थी। उसके पिता उपेंद्र सहनी किसी काम से बाहर गए हुए थे। इसी दौरान पंकज घर में घुसा और दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। इसके बाद पंकज ने गंगा को गोली मार दी। घटना के तुरंत बाद उसने खुद को भी गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और देखते ही देखते भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने दोनों परिवारों को घटना की सूचना दी। लड़की के पिता उपेंद्र सहनी ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी की शादी अगले महीने तय थी। घर में शादी के लिए करीब चार लाख रुपए रखे थे, जिसकी जानकारी पंकज को थी। उनके मुताबिक, वह रुपए लूटने के इरादे से घर में घुसा था। बेटी ने विरोध किया तो पंकज ने उसे गोली मार दी। पिता ने प्रेम प्रसंग की बात से इनकार करते हुए कहा कि पंकज आपराधिक प्रवृत्ति का था। वह हाल ही में जेल से बाहर आया था। परिजनों के अनुसार, पंकज ने घर के अंदर एक गोली चलाई और बाहर निकलते समय दूसरी गोली चलाई, जो मिसफायर होकर उसी को लग गई।

नाबालिग से गैंगरेप, मुख्य आरोपी फरार, आयुष पहले भी छेड़खानी मामले में चार्जशीटेड रहा है

लोकतंत्र की शान : मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के कथैया थाना क्षेत्र में नाबालिग लड़की(15) से गैंगरेप मामले में नामजद आरोपी कुमोद कुमार की गिरफ्तार हुई, जबकि मुख्य आरोपी आयुष कुमार यादव अभी भी फरार है। घटना 22 अप्रैल 2026 की की। जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने नाबालिग को उसके घर से जबरन अगवा कर लिया। इसके पास एक सुनसान बगीचे में ले जाकर गलत काम किया। पीड़िता की स्थिति और परिजनों की शिकायत पर पुलिस तुरंत हरकत में आई। SSP कांतेश कुमार मिश्रा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम का गठन किया है। मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी और संभावित ठिकानों पर दबिश देने के निर्देश दिए हैं। आयुष देवरिया थाना क्षेत्र में छेड़खानी के एक पुराने मामले में भी चार्जशीटेड है। पुलिस जांच में पता चला है कि आयुष का आपराधिक रिकॉर्ड पुराना है।

पटना में मां की फटकार के बाद पुल से कूदी युवती

लोकतंत्र की शान , पटना

♦ मां बोली- मेरे कोर्ट जाते ही वो घूमने निकल जाती थी इसलिए डांटा

पटना के पिरबहोर इलाके के अशोक राजपथ स्थित डबल डेकर पुल से छलांग लगाने वाली युवती की पहचान शिवहर के तरियानी की रहने वाली ज्ञानति (24) के तौर पर हुई है। परिजन ने पुलिस की पूछताछ में बताया है कि गुरुवार सुबह वह घर से लापता हो गई थी। इस बारे में लोकल थाने पर शिकायत करने वाले थे। तब तक पटना से उसके अटैंप्ट टू सुसाइड की जानकारी मिल गई।

कोर्ट में अधिकार मित्र है मांः ज्ञानती की मां शिवहर सिविल कोर्ट में अधिकार मित्र हैं। उनका कहना है कि वह कोर्ट चली जाती थी, तो ज्ञानती घूमने निकल जाती थी। इसी बात को लेकर डांट फटकार लगाई थी। इससे नाराज होकर ज्ञानती घर से निकल गई। मां मेनिका कुमारी ने बताया मैंने रिश्तेदारों की यहां पता किया, लेकिन कुछ भी खबर नहीं मिली। इसी बीच पटना से मेरे पास एक कॉल आया और बताया गया कि आपकी बेटी ने डबल डेकर पुल से छलांग लगा दी है। इसी सूचना के आधार पर पटना पहुंची हूं। फिलहाल उसका इलाज जारी है।

होश में आई है युवतीः पुलिस के मुताबिक, युवती होश में आ गई है। हालांकि अभी कुछ बात नहीं पा रही है। उसे पूछने की कोशिश की जा रही है। जैसे वह बताने की स्थिति में आती है। उसके बयान के आधार पर आगे की छानबीन की जाएगी। पटना सेंट्रल SP दीक्षा ने बताया कि लड़की इलाजरत है। पूछताछ की जा रही है। अगर गंभीर अपराध की जानकारी मिलेगी, तो FIR दर्ज करके आगे की कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, गुरुवार को युवती 55 फीट ऊंचे डबल डेकर पुल की रेलिंग पर काफी देर तक बैठी रही। वो इधर-उधर देख रही थी। पुल के नीचे काफी संख्या में भीड़ जुटी थी। अचानक पुल पर युवती ने किसी को देखा। जिसके बाद उसने पुल नीचे छलांग लगा दी। पुल के नीचे मौजूद लोगों ने युवती को जमीन पर गिरने नहीं दिया। लोगों ने उसे हवा में पकड़ लिया। इस वजह से उसकी जान बच गई।

सहरसा में नशाविरोधी अभियान तेज करने का निर्देश, तीन दिनों तक चलेगा विशेष छापेमारी अभियान

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता, सहरसा में नशा उन्मूलन को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अभियान को और तेज करने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में नशाविरोधी अभियान की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान औषधि निरीक्षकों को पुलिस एवं जिला प्रशासन के साथ मिलकर आगामी तीन दिनों के भीतर जिले के चिन्हित स्थलों पर सुखा नशा और कोरेक्स के खिलाफ व्यापक स्तर पर छापेमारी अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, नशा कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। छापेमारी के दौरान दवा दुकानों की भी सघन जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। समीक्षात्मक बैठक में भूमि विवाद, विधि-व्यवस्था, भू समाधान पोर्टल पर प्रविष्टि, मद्य निषेध, NCORD तथा महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और निगरानी से जुड़े मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा की गई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी अंचलाधिकारियों और थानाध्यक्षों को भू समाधान पोर्टल पर शत-प्रतिशत प्रविष्टि सुनिश्चित करने तथा दर्ज सभी आवेदनों का समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया। साथ ही, जनशिकायतों से संबंधित आवेदनों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक हिमांशु, अपर समाहर्ता निशांत सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सबका सम्मान–जीवन आसान'' कार्यक्रम में प्रमंडलीय आयुक्त ने की जनता की सुनवाई, आवेदनों के त्वरित निष्पादन का निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः सहरसा में "सबका सम्मान–जीवन आसान" (Ease of Living) कार्यक्रम के तहत प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जनता से संवाद कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई की गई। इस दौरान कोशी प्रमंडल अंतर्गत विभिन्न जिलों से आए नागरिकों द्वारा कुल पाँच आवेदन प्रस्तुत किए गए। यह कार्यक्रम सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के अंतर्गत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया, जिसमें प्रमंडलीय आयुक्त ने सभी प्राप्त आवेदनों के समयबद्ध और प्रभावी निष्पादन का निर्देश संबंधित कार्यालय प्रधानों को दिया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद से जुड़े मामलों की भी सुनवाई की गई। सिमरी बख्तियारपुर निवासी जयप्रकाश गुप्ता एवं सोनवर्षा निवासी रतिलाल यादव द्वारा भूमि विवाद से संबंधित आवेदन दिए गए, जिनके समुचित समाधान के लिए संबंधित अंचलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) सह क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार संजीव कुमार चौधरी, उप निदेशक जनसंपर्क सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खाड़ी संकट के बीच सहरसा में एलपीजी आपूर्ति पर कड़ी निगरानी, कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

लोकतंत्र की शान

सहरसाः मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः खाड़ी देशों में उत्पन्न मौजूदा संकट के मद्देनजर सहरसा जिला प्रशासन ने रसोई गैस (एलपीजी) की उपलब्धता और सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अहम कदम उठाए हैं। शुक्रवार को जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में पेट्रोलियम उत्पादों, विशेषकर एलपीजी वितरण की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त (DDC), जिला आपूर्ति पदाधिकारी तथा दोनों अनुमंडल पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि खाड़ी संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित न हो, इसके लिए जिले के सभी गैस वितरकों के स्टॉक और दैनिक बिक्री की सतत निगरानी की जाए। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की जमाखोरी या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऐसे मामलों में दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। अनुमंडल पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित औचक निरीक्षण करने को कहा गया है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि जिले में HP Gas और Bharat Gas के वितरकों के पास लंबित बुकिंग की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। वर्तमान में जिले में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और आम लोगों को घबराने की आवश्यकता नहीं है।

जिला पदाधिकारी ने उन वितरकों को विशेष निर्देश दिए जिनके यहाँ लंबित बुकिंग (Backlog Days) औसत से अधिक है, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

आम जनता से अपीलः जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर की 'पैनिक बुकिंग' से बचें। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि तेल कंपनियों के साथ लगातार समन्वय कर आपूर्ति व्यवस्था को सुचारू रखा जा रहा है। बैठक के अंत में जिला आपूर्ति पदाधिकारी को प्रतिदिन की रिपोर्ट जिला मुख्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

25 अप्रैल को सर्वे के लिए आएगी केंद्रीय टीम

स्वच्छता सर्वेक्षण में पटना नगर निगम की परीक्षा, सिटिजन फीडबैक पर मिलेंगे 1000 अंक

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के लिए पूरी तैयारियों में लगा हुआ है। पटना में 25 अप्रैल से फील्ड असेस्मेंट शुरू होगा जो कि 31 मई तक चलेगी। सर्वे के लिए केंद्रीय टीम पटना आएगी, जो शहर की जमीनी हकीकत परखेगी। यह सर्वे देश के प्रमुख शहरों की स्वच्छता रैंकिंग तय करेगी। पटना नगर निगम ने गार्बेज फ्री सिटी में फाइव स्टार रैंकिंग के लिए आवेदन किया है। इस साल रैंकिंग कुल 12500 अंकों के आधार पर तय होगी।

सिटिजन फीडबैक पर मिलेंगे 1000 अंकः इस सर्वे में 10 प्रमुख सेक्शन, 54 इंडिकेटर और 166 सब-इंडिकेटर शामिल हैं। इस बार सिटिजन फीडबैक की अहमियत बढ़ा दी गई है। पहले जहां 500 अंक निर्धारित थे, अब इसे बढ़ाकर 1000 अंक कर दिया गया है। नागरिकों से 12 सवालों के जरिए फीडबैक लिया जाएगा, जिससे शहर की वास्तविक सफाई व्यवस्था का आंकलन होगा। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में अंक तीन हिस्सों में बांटे गए हैं। ODF और वाटर प्लस के लिए 1000 अंक, गार्बेज फ्री सिटी के लिए 1000 अंक और फील्ड असेस्मेंट के लिए 10,500 अंक तय है।

रेड स्पॉट और येलो स्पॉट पर विशेष नजरः फील्ड असेसमेंट के दौरान रेड स्पॉट और येलो स्पॉट पर विशेष अंक कटते हैं। इसे देखते हुए पटना नगर निगम ने सख्ती बढ़ाई है। खुले में शौच करने, गंदगी फैलाने और पान-तंबाकू थूकने वालों पर 500 रुपए तक जुर्माने का प्रावधान किया गया है। ऐसे लोगों को 'नगर शत्रु' की श्रेणी में रखा गया है। आईसीसीसी और निगम की टीमें प्रमुख स्थानों पर लगातार निगरानी कर रही हैं। दीवारों पर पेंटिंग, सड़कों की सफाई, डिवाइडर का रंग-रोगन और सार्वजनिक स्थलों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। सभी अंचलों में व्यापक सफाई अभियान शुरू कर दिया गया है। नालों और बैकलेन की सफाई कराई जा रही है। इसके साथ ही कचरा पॉइंट को खत्म किया जा रहा है। पिछले साल 650 कूड़ा प्वाइंट खत्म किए गए थे, इस बार 85 और प्वाइंट हटाए गए हैं।

नगर निगम डेस्क असेस्मेंट में पहले ही सफल हो चुका है और दिए गए आंकड़ों के आधार पर फाइव स्टार के लिए क्वालिफाइ कर गया है। यदि नगर निगम की ओर से गलत या बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दी गई तो अंकों में कटौती की जाएगी। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण की थीम 'स्वच्छता की नई पहल–बढ़ाएं हाथ, करें सफाई साथ' रखी गई है। साल 2024-25 में पटना को 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में 21वां स्थान मिला था। वहीं गार्बेज फ्री सिटी में तीन स्टार की रेटिंग प्राप्त हुई थी। 1 अप्रैल से नई व्यवस्था के तहत डोर टू डोर कचरा उठाव में चार अलग-अलग डस्टबीन का उपयोग अनिवार्य किया गया है, लेकिन, लोग अभी भी कचरा अलग-अलग करके नहीं दे रहे हैं। कई जगह नियमित कचरा उठाव नहीं होने से लोग खुले में कचरा फेंक देते हैं। स्ट्रीट वेंडर भी दुकान बंद करने के बाद कचरा सड़क पर छोड़ देते हैं। वहीं, रामाचक बैरिया में कचरा प्रोसेसिंग प्लांट अब तक शुरू नहीं हो पाया है। इन कमियों का सीधा असर शहर की रैंकिंग पर पड़ सकता है।

महावीर मंदिर में आज मनाई जाएगी जानकी नवमी, माता जानकी का होगा विशेष श्रृंगार

लोकतंत्र की शान , पटना

महावीर मन्दिर में कल धूमधाम से जानकी नवमी मनाई जाएगी। इसे लेकर मंदिर में विशेष सजावट और पूजा होगा। मंदिर में पूजा सुबह 8 बजे से शुरू हो जाएगी। पूजा सम्पन्न होने के बाद 24 घंटे का 'अष्टयाम कीर्तन' होगा। माता जानकी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। महावीर मंदिर में प्राचीन परंपरा के अनुसार विशिष्ट पूजा पद्धति से माता जानकी का पूजन होगा। यह पूजा का कार्यक्रम मंदिर के दक्षिण-पूर्व कोण पर स्थित राम-जानकी की प्रतिमा के समक्ष होगा। पूजा के बाद हवन और आरती होगी। भक्त कतारबद्ध होकर दर्शन कर सकते हैं।

माता सीता के प्रकाट्य दिवस पर जानकी नवमी मनाने का विधानः पंडित भवनाथ झा ने कहा कि, 'माता सीता के प्रकट होने के उपलक्ष्य में धर्मशास्त्रियों ने जानकी-नवमी मनाने का विधान किया है। इस दिन व्रत और जानकी की विशेष पूजा करना का विधान है। जगद्गुरु रामानन्दाचार्य कृत वैष्णवमताब्जभास्कर में जानकी नवमी व्रत का उल्लेख किया गया है। इस प्रसंग में रामानन्दाचार्य कहते हैं कि वैशाख मास में शुक्ल पक्ष में पुष्य नक्षत्र से युक्त नवमी तिथि में श्रीजनक ने हल से क्षेत्र को जोता; इससे सीता उत्पन्न हुई। इस अवसर पर व्रत करना चाहिए।' श्री महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि, 'महावीर मंदिर में आयोजित होने वाली सभी अनुष्ठान-त्योहार का विशेष ध्यान रखा जाता है। भक्तों को भी मंदिर में आयोजित होने वाले अनुष्ठान-त्योहार का आदि का इंतजार रहता है। इस वजह से हर छोटे से बड़े त्योहार का आयोजन धूमधाम से किया जाता है।'

पटना में बीपीएससी परीक्षा में गड़बड़ी, चिट के पुर्जे बरामद

लोकतंत्र की शान , पटना

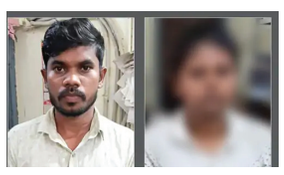

पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) द्वारा आयोजित सहायक लोक स्वच्छता एवं अपशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी परीक्षा में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। इस दौरान एक महिला बायोमेट्रिक कर्मी और एक अभ्यर्थी को पकड़कर गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार महिला कर्मी की पहचान वैशाली निवासी अंशुप्रिया, जबकि अभ्यर्थी की पहचान नालंदा के रौशन कुमार के रूप में हुई है।

एएन कॉलेज सेंटर पर पकड़ा गया मामलाः घटना एएन कॉलेज पटना स्थित परीक्षा केंद्र की है। इस मामले में सेंटर सुपरीटेंडेंट शैलेश कुमार सिंह की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है। उनके आवेदन के मुताबिक, 23 अप्रैल को AN कॉलेज स्थित परीक्षा भवन के हॉल नम्बर 4, सीट नम्बर 59 पर रोशन कुमार नाम का परीक्षार्थी बैठा था, जिसका रोल नंबर 217939 है।

परीक्षा के दौरान वीक्षक को अभ्यर्थी की गतिविधि संदिग्ध लगी। तलाशी लेने पर उसके पास से 'G' सीरीज प्रश्न पत्र के उत्तर के चिट बरामद हुए। तलाशी के दौरान रोशन कुमार के पास से G सीरीज प्रश्न पत्र के उत्तर के पुर्जे मिले। वीक्षक प्रमोद कुमार और राजेश्वरी प्रसाद सिंह की ओर से बताया गया कि उत्तर के पुर्जे बायोमेट्रिक मशीन की महिला कर्मी अंशु प्रिया ने उपलब्ध कराया गया था। अभ्यर्थी के पास से चिट के पुर्जे, OMR शीट, प्रवेश पत्र, आईडी कार्ड और आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

आईजीआईएमएस में अल्ट्रासाउंड के लिए 3 महीने की वेटिंग, व्यवस्था पर सवाल

लोकतंत्र की शान , पटना

पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में मरीजों को इलाज और जांच के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कैंसर, किडनी समेत गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को साधारण जांच के लिए भी घंटों दौड़-भाग करनी पड़ रही है, जबकि कई जांचों के लिए महीनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। अस्पताल में जांच प्रक्रियाएं जटिल हैं, जिसके कारण मरीजों को कई चरणों से गुजरना पड़ता है। अल्ट्रासाउंड जैसी महत्वपूर्ण जांच के लिए मरीजों को तीन महीने तक इंतजार करना पड़ रहा है।

एक जांच के लिए 5 घंटे, कई विभागों के चक्करः एक मरीज के परिजन ने बताया कि FNAC (फाइन नीडल एस्पिरेशन साइटोलॉजी) जांच कराने में करीब पांच घंटे लग गए। सबसे पहले सैंपल स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (SCI) में लिया गया, फिर उसे जमा करने के लिए रेडियोलॉजी विभाग भेजा गया, जो करीब 200 मीटर दूर है। वहां बिल की फोटोकॉपी मांगी गई, जिसके लिए उन्हें अस्पताल से बाहर जाना पड़ा। इसके बाद सैंपल को पुरानी बिल्डिंग की दूसरी मंजिल स्थित माइक्रोबायोलॉजी विभाग में जमा करने को कहा गया, जो कैंसर विभाग से लगभग 200 मीटर की दूरी पर है। इस तरह एक ही जांच के लिए मरीजों और उनके परिजनों को अलग-अलग भवनों के कई चक्कर लगाने पड़े। परिजनों ने बताया कि गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए इतनी भागदौड़ करना उनकी शारीरिक स्थिति को और अधिक प्रभावित कर रहा है।

मरीज खुद ढो रहे सैंपल, बढ़ रही परेशानीः अस्पताल की व्यवस्था का बड़ा सवाल यह है कि कई मामलों में मरीजों या उनके परिजनों को खुद ही सैंपल लेकर एक विभाग से दूसरे विभाग जाना पड़ता है। कागजी औपचारिकताएं—बिल की कॉपी, अलग-अलग काउंटर पर जमा, बार-बार लाइन लगना, इससे परेशानी और बढ़ जाती है। इस पूरी प्रक्रिया में न सिर्फ समय बर्बाद होता है, बल्कि प्रक्रिया में लंबा वक्त बीतने से मरीज की स्थिति खतरनाक हो जाती है। खासकर तब, जब वह कैंसर या अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित हो।

संक्षिप्त समाचार

हिसार : विद्यार्थियों की प्रतिभा को सृजनात्मक मंच देते सांस्कृतिक कार्यक्रम : डा. वंदना बिश्नोई

लोकतंत्र की शान : हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल परिसर में स्मृति कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला डा. वंदना बिश्नोई उपस्थित रही जबकि कुलसचिव डॉ. पवन कुमार की धर्मपत्नी रजनी शर्मा विशिष्ट अतिथि रही। डा. वंदना बिश्नोई ने शुक्रवार को अपने संबोधन में कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा को सृजनात्मक मंच देते हैं। विश्वविद्यालय में इन कार्यक्रमों को नियमित रूप से करवाया जा रहा है। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं से विद्यार्थी अपनी परंपराओं से भी जुड़ते है। कार्यक्रम में प्रो. आशा गुप्ता, प्रो. सुमित्रा, प्रो.अराधिता, प्रो. वंदना पूनिया, डॉ. सुनीता रानी एवं डॉ. प्रज्ञा कौशिक सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी कोऑर्डिनेटर्स, लेडी वार्डन्स एवं गर्ल्स हॉस्टल परिसर के स्टाफ ने कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। मुख्य वार्डन प्रो. सुजाता सांघी ने सभी का स्वागत किया जबकि कार्यक्रम का संचालन डिप्टी चीफ वार्डन डॉ. विनीता ने किया। डा. अंजू गुप्ता द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस प्रकार रहे विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम सोलो गायन प्रतियोगिता में अनुष्का ने प्रथम स्थान तथा अर्चना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। डांस (सोलो) प्रतियोगिता में स्वातिने प्रथम स्थान तथा तमन्ना ने द्वितीय स्थान हासिल किया। डुएट डांस प्रतियोगिता में पायल एवं निशा ने प्रथम स्थान, हरमन एवं आकांक्षा ने द्वितीय स्थान तथा अंशु एवं अंजली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मटकी सजावट प्रतियोगिता में सिमरनजीत कौर ने प्रथम स्थान तथा याशी असलिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्टोरी टेलिंग प्रतियोगिता में दीपिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। रैम्प वॉक में सोनिया को मिस हॉस्टल क्वीन, रिंकू को मिस कॉन्फिडेंट तथा स्नेहा को मिस ब्यूटीफुल चुना गया। सभी विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सोनीपतः मेयर चुनाव में भाजपा उम्मीदवार राजीव जैन ने किया नामांकन, कांग्रेस पर तीखे हमले

लोकतंत्र की शान : सोनीपत। सोनीपत नगर निगम मेयर चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार राजीव जैन ने शुक्रवार को नामांकन दाखिल कर चुनावी माहौल को गर्म कर दिया। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली कीमौजूदगी में यह प्रक्रिया पूरी हुई। नामांकन से पहले शहर के अलग-अलग हिस्सों में उनका स्वागत किया गया। पार्टी इसे अपने पक्ष में बनते माहौल का संकेत बता रही है, जबकि विपक्ष पर राजनीतिक हमले भी तेज हो गए हैं। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के साथ राजीव जैन अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और विधिवत नामांकन जमा किया। बड़ौली ने कहा कि शहर में भाजपा के समर्थन का माहौल साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने दावा किया कि मेयर के साथ-साथ सभी वार्डों में पार्टी जीत दर्ज करेगी। कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला और इसे चुनाव की मजबूत शुरुआत बताया गया। हरियाणा में राहुल गांधी के संभावित दौरे पर बड़ौली ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि उनका स्वागत है, लेकिन जलेबी वाला बयान लोगों को याद है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जलेबी की फैक्ट्री का उद्घाटन करने भी आ सकते हैं। बड़ौली ने महिला आरक्षण बिल का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष दो हजार तेइस में बिल पास कराया गया और वर्ष दो हजार उनतीस के चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का लक्ष्य है।राजीव जैन ने कहा कि नामांकन से पहले उन्होंने कार्यालय में हवन किया। उन्होंने भरोसा जताया कि उपचुनाव की तरह इस बार भी जनता उनका साथ देगी। उन्होंने कहा कि उनके नौ महीनों के कार्यकाल में शहर के विकास के लिए लगातार 24 घंटे काम किया गया है और जनता इसका आशीर्वाद देगी। राजीव जैन ने दावा किया कि भाजपा इस बार मेयर पद के साथ सभी 22 वार्डों में जीत दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता रही है और चुनाव में इसका असर दिखाई देगा। राजीव जैन ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले उपचुनाव में जनता ने कांग्रेस कोजवाब दिया था और इस बार भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ेगा। दूसरी ओर कांग्रेस उम्मीदवार कमल दीवान लगातार प्रचार में जुटे हैं और स्थानीय मुद्दों को लेकर लोगों के बीच जा रहे हैं। पिछली हार के बाद दोबारा आमने-सामने होने से मुकाबला रोचक हो गया है। नामांकन के समय विधायक निखिल मदान, विधयक देवेंद्र कादियान, ललित बत्रा ए पूर्व मंत्री कविता जैन पूर्व सांसद रमेश कौशिक आदि साथ रहे।

स्कूल जा रही नाबालिक का किडनैप कर गैंगरेप, वाहन को ग्रामीणों ने लगाई आग

लोकतंत्र की शान : जयपुर। जिले के एक गांव की 15 वर्षीय नाबालिग बालिका के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मामले में दो लोगों के नामजद सहित तीन के खिलाफ़ मामला दर्ज हुआ है। वहीं जब आरोपित घटना को अंजाम देकर वापिस पीड़िता को छोड़ने आये तो भीड़ को देखकर अपना वाहन छोड़कर फरार हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों की भीड़ ने उनके वाहन में आग लगा दी। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जहां जले हुए वाहन को कब्जे में लेकर थाने ले जाया गया। इस सम्बंध में नाबालिग के भाई ने थाने में मामला दर्ज करवाया है कि उसकी 15 वर्षीय बहन कक्षा 11 की छात्रा है, जो सरकारी स्कूल में पढ़ती है। वह गुरुवार को सुबह 8 बजे स्कूल पैदल जा रही थी तो रास्ते में एक बोलेरो गाड़ी आई और उसकी बहन को जबरन गाड़ी में खींच लिया। जिसमें दो लड़के थे। उन्होंने गाड़ी में उसकी बहन के हाथ बांध दिए और आंखों पर पट्टी बांध दी एवं रास्ते मे एक लड़के को और गाड़ी में बिठाया। उसके बाद उसकी बहन को वो अज्ञात स्थान पर ले गए और पट्टी खोली तो एक कमरे में थे। जहां पर उक्त तीनों ने बारी-बारी से उसकी नाबालिग बहन के साथ दुष्कर्म किया और तीनों ने आपत्तिजनक फ़ोटो व वीडियो बना धमकी दी की किसी को कुछ कहा तो तेरे भाई को जान से खत्म कर देंगे। उसके बाद आरोपित पीड़िता को वापस उसी वाहन में बैठाकर गाँव के पास छोड़ गए थे। जिसकी सूचना वहां कुछ लोगो ने पीड़िता के भाई को दी। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। वही पुलिस ने पीड़िता के कोर्ट में बयान दर्ज करवा दिए है। मामले की जांच राजगढ़ डीएसपी मनीषा मीना कर रही हैं।

जेल में निरुद्ध एक कैदी की मौत, पास्को एक्ट का था आरोपी

» अचानक बिगड़ा स्वास्थ्य, जिला अस्पताल लाने से पहले ही तोड़ा दम

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिला जेल पडरा सीधी में पास्को एक्ट के मामले में तीन साल से जेल में बंद कैदी की मौत हो गई । जेल पुलिस के अनुसार मृतक कैदी रजनीश दुबे पिता शशिप्रकाश दुबे निवासी वार्ड नंबर 3 नगर परिषद चुरहट को चुरहट न्यायालय द्वारा पास्को एक्ट के तहत 14 नवंबर 2023 को जेल भेजा गया था। आज सुबह अचानक स्वास्थ्य खराब हो गया, उल्टी दस्त के चलते उसका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। जेल प्रहरियों की सूचना पर उसे जेल अधीक्षक द्वारा जिला अस्पताल उपचार के लिए भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। बता दें कि इस घटना के बाद जेल में बंद अन्य कैदियों के भीतर भी भय का माहौल व्याप्त है, कारण कि अचानक हुई रजनीश की मौत को लेकर सभी सशंकित हैं।

इनका कहना है। हवालात में बंद कैदी रजनीश दुबे का आज स्वास्थ्य अचानक ज्यादा खराब हो गया था, जिसे उपचार के लिए जेल से जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया। रविशंकर सिंह, अधीक्षक जिला जेल सीधी। कैदी की मौत अस्पताल लाने से पहले ही हो गई थी, मौत किस वजह से हुई है, इसकी जानकारी पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मिल पाएगी। डॉ बृजेश पाण्डेय, जिला अस्पताल सीधी।

तीन साल में नहीं मिलने आए परिजन

मृतक कैदी रजनीश दुबे के बारे में बताया गया है कि परिवार की हालत अत्यंत दयनीय है। माता का निधन हो चुका है, पिता की उम्र ज्यादा होने से शारीरिक रूप से अस्वस्थ हैं। जेल पुलिस के अनुसार तीन साल से जेल में बंद इस कैदी से मुलाकात करने कोई भी परिजन नहीं आया। मौत की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दे दी गई है, जिसके माध्यम से परिजनों को सूचित किया गया ।

जिला जेल कटनी में महिला प्रहरी के ऊपर उठ रहे कई प्रश्न

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः सूत्रों के अनुसार जिला जेल में पदस्थ पाण्डेय महिला प्रहरी को ड्यूटी को लेकर कई प्रश्न उठ रहे हे जो आए दिन ड्यूटी को लेकर कोई न कोई अनियमितता देखी जा रही हे सूत्रों के अनुसार इस संबंध में कई बार नोटिस भी इनको मिल चुका हे जिस पर अभी भी कोई सुधार की आशंका नजर नहीं आ रहा हे सूत्रों की माने तो ऐसा हमेशा से चला आ रहा हे सूत्रों की माने तो जेल गेट पर ड्यूटी लगने पर निजी मोबाइल फोन चलाते पाई गई आकस्मिक अधिकारी के भ्रमण में अधिकतर देखा गया हे जिसके तहत कई बार मौखिक समझाइश दी गई न मानने पर स्पष्टी कारण जारी किया गया हे इसके कारण ड्यूटी में भी बदलाव किया गया प्रशासन को इस पर कोई ना कोई उचित कार्यवाही करने की आवश्यकता हे

विधायक योगेन्द्र राणा ने गांव बाल राज पुतान में सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान, राजेंद्र करनाल के रिपोर्ट

करनाल/असंधः क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देते हुए विधायक योगेंद्र राणा ने आज गांव बाल राजपूतान में लगभग 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का किया शुभारंभ इस अवसर पर विधायक ने कहा कि इस भवन के निर्माण से गांव में शादी-ब्याह, सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों के लिए एक शानदार जगह उपलब्ध होगी। इससे ग्रामीणों को अब खराब मौसम या जगह की कमी जैसी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि इस सुविधा से गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी, जो अब कम खर्च में अपनी बेटियों के विवाह जैसे महत्वपूर्ण कार्य सम्मानपूर्वक संपन्न कर सकेंगे। विधायक योगेंद्र राणा ने इन विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का आभार जताते हुए कहा कि सरकार गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस मौके पर गांव बाल के सरपंच सुरजीत सिंह असंध विधानसभा BLA 1 अमित राणा, किरण पाल, सुरेंद्र कश्यप पाढ़ा, सहित गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विजय सिंह जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति के सदस्य नियुक्त

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ सीधी के जिलाध्यक्ष सतीश कुमार पाण्डेय द्वारा बताया गया कि स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह द्वारा एडवोकेट विजय कुमार सिंह को जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। जिसमें सांदीपनि विद्यालय, पीएमश्री विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय मॉडल स्कूलों एवं अन्य उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की मॉनिटरिंग और उनके सुचारु संचालन एवं कार्य योजना के निर्धारण का कार्य समिति करेगी। यह समिति जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित की गई है। उल्लेखनीय है कि विजय सिंह मध्यप्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय मीडिया प्रमुख व क्षेत्र प्रमुख सहित अन्य विभिन्न दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन कर चुके हैं। श्री सिंह राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश के सदस्य भी रह चुके हैं और राज्य स्तरीय शिक्षक पुरस्कार चयन समिति में शिक्षाविद के रूप में भी रहे हैं। श्री सिंह स्कूल शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं देने के उपरांत वर्तमान में अधिवक्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में विद्या भारती के जिला सचिव के दायित्व का निर्वहन भी कर रहे हैं। इस नियुक्ति से निश्चित ही सीधी जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा। उक्त उपलब्धि के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री का विजय सिंह द्वारा एवं मध्य प्रदेश शिक्षक संघ सीधी के द्वारा आभार व्यक्त किया गया। श्री सिंह को जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति का सदस्य नियुक्त किए जाने पर सतीश कुमार पाण्डेय जिलाध्यक्ष मध्य प्रदेश शिक्षक संघ सीधी, रामजी शुक्ला जिला सचिव, सुरेंद्र तिवारी जिला कोषाध्यक्ष, राजबहोर पाठक प्रांत प्रमुख साहित्यिक प्रकोष्ठ, शिव शंकर सिंह चौहान जिला संगठन मंत्री, गौतममणि अग्निहोत्री प्रांतीय उपाध्यक्ष, रामकृष्ण तिवारी पूर्व संभागीय अध्यक्ष, पुंडरीक सिंह सह संगठन मंत्री, संकर्षण प्रसाद द्विवेदी सह संगठन मंत्री, केके श्रीवास्तव ब्लॉक अध्यक्ष रामपुर नैकिन, कुमुद पाण्डेय ब्लॉक अध्यक्ष सीधी, नरेन्द्र तिवारी ब्लॉक अध्यक्ष मझौली, आरबी सिंह ब्लॉक अध्यक्ष सिहावल, प्रवीण शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष कुसमी एवं समस्त पदाधिकारी शिक्षक साथियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

सनसनीखेज हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महज कुछ रुपयों के लालच में तीन युवकों ने एक ड्राइवर की बेरहमी से हत्या

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। जिले के स्लीमनाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे पर हुई सनसनीखेज हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महज कुछ रुपयों के लालच में तीन युवकों ने एक ड्राइवर की बेरहमी से हत्या कर दी थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक अन्य साथी की तलाश जारी है।

क्या था मामला? घटना 10 और 11 अप्रैल 2026 की दरम्यानी रात की है। स्लीमनाबाद पुलिस को डायल-112 के माध्यम से सूचना मिली थी कि छपरा नेशनल हाईवे पर वाहन क्रमांक MP 20 GA 6242 में एक व्यक्ति लहूलुहान हालत में पड़ा है। पुलिस उसे तत्काल अस्पताल ले गई, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राकेश दाहिया (42 वर्ष), निवासी खितौला, सिहोरा के रूप में हुई।

वारदात की खौफनाक दास्तां-पुलिस अधीक्षक अभिनव विश्वकर्मा के निर्देशन में शुरू हुई जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। पकड़े गए आरोपियों—रोहित कोल (21 वर्ष) और अमन चौबे उर्फ 'भूत' (22 वर्ष)—ने पूछताछ में बताया कि: उन्होंने ड्राइवर राकेश से हाईवे पर लिफ्ट मांगी थी। रास्ते में सभी ने मिलकर शराब पी। इसके बाद आरोपियों ने राकेश से पैसों की मांग की। जब राकेश ने पैसे देने से मना किया, तो तीनों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। आरोपियों ने व्हील पाना और लात-घूंसों से राकेश को इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

तकनीकी साक्ष्यों से खुला राज-पुलिस ने एफएसएल (FSL) जबलपुर और साइबर सेल की मदद ली। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर 22 अप्रैल को रोहित कोल को पकड़ा गया, जिसने जुर्म कबूल करते हुए अपने साथियों के नाम बताए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल किया गया व्हील पाना और मृतक का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है।

पुलिस टीम की सफलता-इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने में एसडीओपी श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी, थाना प्रभारी सुदेश कुमार, और साइबर सेल की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस फिलहाल तीसरे फरार आरोपी मनोज की तलाश

उत्तर प्रदेश में गन्ना किसानों की फसल का होगा जीपीएस सर्वे

लोकतंत्र की शान

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी की गई है। इसके तहत गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग गन्ने की फसल का जीपीएस सर्वेक्षण कराएगा। यह जीपीएस सर्वेक्षण 1 मई से शुरू होकर 30 जून 2026 तक चलेगा। इसकी सूचना 3 दिन पहले सभी रजिस्टर्ड गन्ना किसानों को मोबाइल एसएमएस के जरिए दी जाएगी। गन्ना सर्वेक्षण टीम में एक राजकीय गन्ना पर्यवेक्षक और एक चीनी मिल कर्मचारी शामिल होंगे। इनको सर्वेक्षण से पहले प्रशिक्षित भी किया जाएगा। सर्वेक्षण के दौरान किसान की मौजूदगी जरूरी होगी। टीम किसान के खेत पर पहुंचकर जीपीएस के जरिए उत्पादन का डाटा सीधे विभाग के सर्वर पर फीड करेगी। वहीं सर्वेक्षण के बाद खेत का क्षेत्रफल, गन्ने की किस्म समेत अन्य जानकारी भी किसानों को एसएमएस के जरिए दी जाएगी। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग आयुक्त वीना कुमारी मीना ने बताया कि पेराई सत्र 2026-27 के लिए गन्ना सर्वेक्षण नीति जारी कर दी गई है। सर्वेक्षण कार्य 1 मई से प्रारम्भ कर 30 जून तक पूरा किया जाएगा। साथ ही बताया कि किसी भी गन्ना कृषक के सर्वेक्षित भूमि का सत्यापन राजस्व विभाग की वेबसाइट www.upbhulekh.gov.in से किया जा सकता है। चीनी मिलें गन्ना सर्वेक्षण के अंतिम आंकड़े सीधे विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन पोर्ट करेंगी और अपनी वेबसाइट पर प्रदर्शित करेंगी।

सर्वेक्षण के दौरान होगा नए किसानों का पंजीकरण-विभाग के मुताबिक गन्ना सर्वेक्षण के दौरान नए सदस्यों (किसान) का पंजीकरण भी किया जाएगा। 30 सितम्बर 2026 तक पंजीकृत कृषकों को ही गन्ना आपूर्ति का लाभ मिलेगा। उपज बढ़ोत्तरी के लिए गन्ना सर्वेक्षण से लेकर 30 सितम्बर 2026 तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसके लिए अनुसूचित जाति व जनजाति के कृषकों, लघु कृषकों और अन्य कृषकों से क्रमशः 10, 100 एवं 200 रुपये प्रति कृषक शुल्क जमा कराया जाएगा।

तीन हजार रुपए में धड़ल्ले से बिक रहा सिलेंडर

शिव शक्ति गैस एजेंसी पटेल पुल का वीडियो आया सामने

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

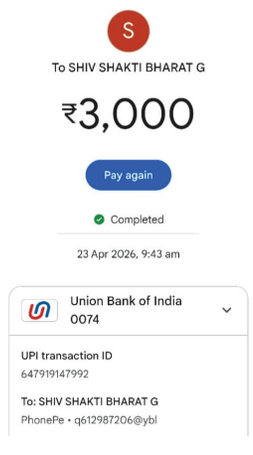

सीधी। जिले में गैस की किल्लत को देखते हुए प्रशासन लगातार इस पर नजर बनाए हुए है लेकिन एजेंसी संचालक अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे हैं, पर्ची के लिए जहां आम उपभोक्ता को इस चिलचिलाती धूप में घंटे लाइन में लगना पड़ रहा है वहीं सेटिंग वाले लोगों को मनमानी दामों पर धड़ल्ले से सिलेंडर उपलब्ध हो रहा है। कुछ इसी तरह एक मामला शिवशक्ति भारत गैस एजेंसी पटेल पुल का सामने आया है, जहां एक गाड़ी में तीन कॉमर्शियल सिलेंडर ले जाने का मौके पर मौजूद ग्राहकों ने वीडियो बना लिया है। उक्त वीडियो को सोशल मीडिया में वायरल भी कर दिया गया है, जिसमें साफ दिखाई दे रहा है कि एक लोडिंग गाड़ी में तीन कॉमर्शियल सिलेंडर लेकर जा रहा है। जबकि आम उपभोक्ता को पर्ची एवं सिलेंडर का आभाव बता कर वापस भेज दिया जा रहा है।

सामने आई भुगतान पर्ची

शिवशक्ति गैस एजेंसी में इन दिनों किस कदर मनमानी चल रही है, वह भुगतान पर्ची से साफ दिखाई दे रहा है। नाम न छापने की शर्त पर 3000 रूपए में सिलेंडर खरीदने वाले उपभोक्ता ने बताया कि, पर्ची से सिलेंडर लेने के लिए कई दिनों से चक्कर लगा रहा था, लेकिन हर दिन कोई न कोई बहाना बनाकर वापस भेज दिया जाता था, फिर मैंने निर्धारित मूल्य से ज्यादा राशि देने की बात कही तो तीन गुना अधिक दाम पर देने लिए तैयार हो गए। हालांकि मुझे आवश्यकता थी इसलिए मैने 940 रुपए वाला सिलेंडर 3000 रुपए में खरीदा।

प्रताप गैस पर सबकी नजर

जिले की सबसे पुरानी गैस एजेंसी होने के चलते सबकी नजर प्रताप गैस एजेंसी में टिकी है, जबकि प्रताप गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं की संख्या अत्याधिक है जिसके चलते यहां भीड़ ज्यादा दिखती है। वही प्रताप गैस एजेंसी की भीड़ को देखते ही अन्य एजेंसी संचालकों ने सिलेंडर के दामों को मनमानी कर दिया है। बता दें कि प्रताप गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं की संख्या ज्यादा होने के बाद भी सहजता से सिलेंडर उपलब्ध कराने का प्रयास एजेंसी संचालक द्वारा किया जाता है। लेकिन शिवशक्ति गैस एवं लीना गैस एजेंसी में उपभोक्ताओं के साथ खुली लूट की जा रही है।

जनगणना में जनभागीदारी का सशक्त संदेशः सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक रीती पाठक ने की स्व-गणना

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जनगणना प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से क्षेत्र के सांसद डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक श्रीमती रीती पाठक ने स्वयं आगे आकर स्व-गणना (Self Enumeration) के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कराई। इस पहल के माध्यम से उन्होंने आमजन को यह संदेश दिया कि जनगणना केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी और सहभागिता से जुड़ा राष्ट्रीय दायित्व है। इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि देश के समग्र एवं संतुलित विकास के लिए सटीक और अद्यतन आंकड़ों का होना अत्यंत आवश्यक है। जनगणना से प्राप्त आंकड़े ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण, संसाधनों के समुचित वितरण और भविष्य की नीतियों के निर्धारण का आधार बनते हैं। उन्होंने बताया कि स्व-गणना की डिजिटल सुविधा नागरिकों को सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक माध्यम प्रदान करती है, जिससे वे बिना किसी परेशानी के अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकते हैं। विधायक श्रीमती रीती पाठक ने कहा कि जनगणना में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता सुनिश्चित होना जरूरी है, ताकि क्षेत्र की वास्तविक स्थिति सामने आ सके और उसी के अनुरूप विकास कार्यों की योजना बनाई जा सके। उन्होंने विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से अपील की कि वे इस प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और अपने परिवार की सही जानकारी दर्ज करें।

स्व-गणना की समय-सीमा एवं प्रक्रिया-स्व-गणना की प्रक्रिया 16 अप्रैल से प्रारंभ होकर 30 अप्रैल तक जारी रहेगी। इसके पश्चात 01 मई से प्रगणक घर-घर जाकर मकानों एवं परिवारों की गणना करेंगे, जिससे कोई भी परिवार जनगणना से वंचित न रह सके। दोनों जनप्रतिनिधियों ने यह भी रेखांकित किया कि डिजिटल स्व-गणना जैसी पहल नागरिकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है और समय की बचत भी होती है। उन्होंने जिले वासियों से अपील की कि प्रत्येक नागरिक जनगणना में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे, क्योंकि यही सटीक आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं की मजबूत आधारशिला बनेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दो नाबालिग बच्चों को भारतीय पुलिस ने नेपाल में उनके परिवार को सौंपा

काठमांडू। भारत के गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर मिले दो नेपाली बच्चे शुक्रवार को उनके परिवार के हवाले कर दिए गए। दो सप्ताह पहले नेपाल से आये ये बच्चे एक चाय की दुकान में रह रहे थे। नेपाल के प्यूठान नगरपालिका थापाडांडा की 13 वर्षीय इशा बोहरा और उनके 7 वर्षीय भाई सुदीप बोहरा पिछले दो हफ्तों से गोरखपुर रेलवे स्टेशन के सामने स्थित एक चाय की दुकान में रह रहे थे। दोनों बच्चे दो सप्ताह पहले अपने घर से निकलकर बिना किसी तय मंजिल के यात्रा करते हुए गोरखपुर पहुंच गए थे। बच्चों ने बताया कि पिता की मृत्यु के बाद उनकी मां ने दूसरी शादी कर ली, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। गोरखपुर रेलवे स्टेशन के सामने चाय की दुकान चलाने वाली महिला कृष्णा पांडे ने बताया कि करीब दो सप्ताह पहले ये बच्चे रेलवे स्टेशन के सामने सड़क पर भटकते हुए मिले थे। नेपाली लड़की की उम्र उनकी अपनी बेटी की उम्र से मिलती-जुलती थी और उन्हें लगा कि यह बच्चे विभिन्न जोखिमों का सामना कर सकते हैं, इसलिए उन्होंने उन्हें अपने पास रखा। भारत की राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी प्रेममाया ने बच्चों को देखने के बाद भारत-नेपाल मैत्री समाज के अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता को सूचना दी थी। उन्होंने बताया जब उन्हें इन बच्चों के लावारिस हालत में होने की जानकारी मिली, तो वे स्वयं उस स्थान पर पहुंचे और उनके बारे में जानकारी ली। इसके बाद अनिल कुमार गुप्ता कपिलवस्तु के शिवराज नगरपालिका-1, शिवपुर निवासी बच्चों के चाचा तुकमान बोहरा के साथ गोरखपुर पहुंचे। गुप्ता के अनुसार बच्चों के घर छोड़ने की वास्तविक वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है, लेकिन उनकी बातों से ऐसा लगा कि पारिवारिक स्नेह नहीं मिलने के कारण उन्होंने घर छोड़ा। उन्होंने बताया कि पुलिस की मदद से दोनों बच्चे चाचा तुकमान बोहरा को सौंप दिए गए और उन्हें लेकर नेपाल आ गए हैं।

पाकिस्तान के खैबर जिले में 22 आतंकी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के खैबर जिले में 22 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया गया है। पाकिस्तान सशस्त्र बलों (सेना, नौसेना, वायुसेना) की मीडिया और जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस की आज जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि यह सफलता सुरक्षा बलों को खुफिया आधारित संयुक्त अभियान में मिली। दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बताया कि यह अभियान सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 21 अप्रैल को आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर शुरू किया।

इस दौरान दोनों ओर जबरदस्त गोलीबारी हुई। इस गोलीबारी में 22 आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। इस दौरान 10 साल का लड़का भी मारा गया। विज्ञप्ति के अनुसार, मौके से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। आतंकियों के सफाये के लिए देश में अज्म-ए-इस्तेहकाम नाम से अभियान चलाया जा रहा है। खैबर जिला अफगान सीमा के पास ऐतिहासिक खैबर दर्रे पर स्थित है। इसका मुख्य प्रशासनिक केंद्र लंडी कोटल है। खैबर दर्रा कभी दक्षिण एशिया और मध्य एशिया के बीच महत्वपूर्ण व्यापारिक और सैन्य मार्ग रहा है। यहां मुख्य रूप से पश्तून (पठान) जनजाति के लोग रहते हैं। इनमें अफरीदी, शिनवारी और मुल्लोरी प्रमुख उप कबीले हैं।

राम माधव बोले-भारत ने अमेरिका के लिए क्या नहीं किया

नई दिल्ली। भाजपा नेता और RSS लीडर राम माधव के अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते पर बयान को लेकर विवाद हो गया है। माधव ने वॉशिंगटन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए क्या नहीं किया। उन्होंने कहा, 'भारत ने ईरान से तेल खरीदना बंद किया, रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई और अमेरिकी टैरिफ का भी विरोध नहीं किया। तो फिर आखिर भारत अमेरिका के साथ काम करने में कहां कमी कर रहा है?' हालांकि, विपक्ष की आलोचना के बाद राम माधव ने माफी मांग ली। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शुक्रवार को लिखा, 'भारत ने कभी भी रूस से तेल आयात रोकने पर सहमति नहीं दी। साथ ही, 50% टैरिफ लगाए जाने का भी उसने जोरदार विरोध किया।' कांग्रेस ने राम माधव के बयान को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला था। पार्टी ने आरोप लगाया कि माधव के बयान से यह साफ है कि मोदी सरकार ने अमेरिका को खुश करने के लिए भारत के हितों से समझौता किया। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मोदी वही करते हैं, जो ट्रम्प चाहते हैं। मोदी ट्रम्प की कठपुतली हैं। यही वजह है कि ट्रम्प भारत को नरdक बता देते हैं और मोदी की हिम्मत नहीं होती कुछ कहने की। साफ है कि नरेंद्र मोदी पूरी तरह से कॉम्प्रोमाइज्ड हैं और इस बात का खामियाजा देश भुगत रहा है।'

यूपी-राजस्थान और महाराष्ट्र के 4 शहरों में पारा 44° पार

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ। देश के कई हिस्सों में लू का असर तेज होता जा रहा है। यूपी, राजस्थान और महाराष्ट्र के 4 शहरों में पारा 44°C के पार पहुंच गया है। गुरुवार को राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान सबसे ज्यादा 44.5°C दर्ज हुआ। यूपी के प्रयागराज और महाराष्ट्र के अमरावती में 44.4°C, वहीं अकोला में 44.3°C पारा रिकॉर्ड हुआ। बढ़ती गर्मी के कारण राजस्थान के जयपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर और दौसा में स्कूलों की टाइमिंग समय सुबह 7.30 बजे से कर दी गई है। बीकानेर, झुंझुनूं और जैसलमेर में सरकारी योजनाओं काम के समय में भी बदलाव किया गया है। अब मजदूर सुबह 6 बजे से दोपहर 1 बजे तक ही काम करेंगे। इधर, केरल में लू लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। कन्नूर जिले में बढ़ते तापमान के बीच गर्मी से हुई मौत का यह पहला मामला है। ओडिशा में भी गुरुवार को हीटवेव का असर जारी रहा। झारसुगुड़ा और तालचेर में तापमान 44°C दर्ज किया गया। राज्य के 24 जगहों पर तापमान 40°C और उससे ज्यादा रहा। कटक में स्कूल और कॉलेजों की छुट्टियां 27 अप्रैल तक बढ़ा दी गई हैं। वहीं रायगढ़ा, झारसुगुड़ा और गंजाम जिलों में 26 अप्रैल तक स्कूल बंद रहेंगे।

तेलंगाना में बस ड्राइवर ने खुद को आग लगाई

तेलंगाना। तेलंगाना के वारंगल जिले में बस ड्राइवर ने खुद को पेट्रोल डालकर आग लगा ली। 50 साल के RTC कर्मचारी शंकर गौड़ अन्य ड्राइवरों के साथ राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन पर बैठे थे। आग की वजह से वे गंभीर रूप से झुलस गए। शंकर को वारंगल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत बिगड़ने पर उन्हें हैदराबाद के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान शुक्रवार तड़के करीब 1:30 बजे उनकी मौत हो गई। दरअसल, RTC कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति (JAC) ने 22 अप्रैल से विरोध कार्यक्रमों का ऐलान किया था। वे शांतिपूर्ण मार्च और जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन सौंपने वाले थे। कर्मचारी 32 मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं, जिनमें RTC के सरकारी विलय की मांग प्रमुख है। घटना पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार हर संभव मदद करेगी और उनके साथ खड़ी रहेगी। RTC कर्मचारियों की जारी हड़ताल को देखते हुए राज्य सरकार ने कर्मचारियों से किसी भी तरह के गलत कदम न उठाने की अपील की है और बातचीत के लिए आमंत्रित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीर प्रयास करेगी। नलगोंडा में भी एक अन्य RTC कर्मचारी द्वारा आत्महत्या की कोशिश किए जाने की खबर है, हालांकि उसे कोई चोट नहीं आई। वहीं खम्मम में सामने आए एक अन्य मामले को पुलिस ने हड़ताल से असंबंधित बताते हुए पारिवारिक कारणों से जुड़ा बताया है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क से मंत्रियों को कर्मचारी यूनियनों को बातचीत के लिए बुलाने के निर्देश दिए थे।

ईरान जंग में खर्च हुईं चीन के लिए रिजर्व मिसाइलें

अमेरिका का मिसाइल स्टॉक खत्म होने के करीब, हर दिन 90 अरब खर्च

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

ईरान के साथ 38 दिन चले युद्ध में अमेरिका ने अपनी कई अहम और महंगी मिसाइलें खर्च कर दीं। इनमें वो मिसाइलें भी शामिल हैं, जो चीन जैसे बड़े देशों से होने वाले संभावित युद्ध के लिए संभालकर रखी गई थीं। अब अमेरिका का हथियार भंडार तेजी से कम हो रहा है। इस युद्ध में अमेरिका ने करीब 1100 लंबी दूरी की स्टील्थ मिसाइलें (JASSM-ER) इस्तेमाल कीं। ये खास तौर पर चीन के खिलाफ इस्तेमाल के लिए बनाई गई थीं।

इसके अलावा 1000 से ज्यादा टॉमहॉक मिसाइलें, 1200 से ज्यादा पैट्रियट मिसाइलें और 1000 से ज्यादा दूसरी स्ट्राइक मिसाइलें भी दागी गईं। इस पूरे युद्ध पर 28 से 35 अरब डॉलर खर्च हुए। यानी हर दिन करीब 1 अरब डॉलर (लगभग 90 अरब रुपए) खर्च हुए। युद्ध रुके हुए दो हफ्ते हो चुके हैं, लेकिन अब

तक अमेरिका ने यह नहीं बताया कि कुल कितने हथियार इस्तेमाल हुए। मंत्रालय का कहना है कि 13,000 से ज्यादा टारगेट पर हमला किया गया। लेकिन अधिकारियों के मुताबिक एक ही टारगेट पर कई बार हमले हुए, इसलिए असल में इस्तेमाल हुए हथियारों की संख्या इससे काफी ज्यादा है।

मिसाइलों का स्टॉक तेजी से कम हुआः युद्ध के दौरान अमेरिका ने जिन हथियारों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया, उनमें लंबी दूरी की JASSM-ER मिसाइलें शामिल हैं। ये 600 मील से ज्यादा दूर तक मार कर सकती हैं और दुश्मन की एयर डिफेंस से बचकर हमला करने के लिए बनाई गई हैं। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइलों का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हुआ। अमेरिका सालभर में जितनी मिसाइलें खरीदता है, उससे करीब 10 गुना ज्यादा इस युद्ध में खर्च हो गईं। एक स्टडी के मुताबिक, अब अमेरिका के पास करीब 3000 टॉमहॉक मिसाइलें ही बची हैं।

पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलें भी तेजी से खत्म हुई हैं। एक मिसाइल की कीमत करीब 4 मिलियन डॉलर है। 2025 में अमेरिका ने 600 मिसाइलें बनाई थीं, लेकिन युद्ध में 1200 से ज्यादा इस्तेमाल हो गईं। इसके अलावा 1000 से ज्यादा प्रिसिजन स्ट्राइक और ATACMS मिसाइलें भी खर्च हो चुकी हैं। पेंटागन के मुताबिक, कुछ जरूरी हथियार पहले से ही कम थे और अब उनकी कमी और बढ़ गई है।

वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैनन केन वैन डाइक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए। डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैरे) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला पर होने वाले सीक्रेट एक्शन की जानकारी थी।

इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुमनाम थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई। डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था। यह एक सीनियर पद होता है। ऐसे अधिकारी को रणनीतिक और तकनीकी मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है और वह यूनिट में अनुशासन और मानकों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

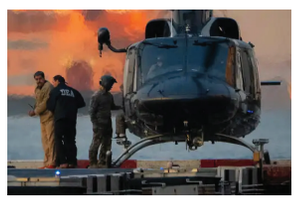

मादुरो के तख्तापलट से जुड़े 13 दांव लगाएः जांच के मुताबिक, डाइक ने दिसंबर के आखिर में 'पॉलिमार्केट' नाम के प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां लोग भविष्य की घटनाओं पर दांव लगाते हैं। दिसंबर 2025 तक वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो का तख्तापलट करने की घटना पर यकीन करने वाले लोग नहीं थे। डाइक ने इससे मिलते-जुलते नतीजों पर कुल 13 बार 32 हजार डॉलर का दांव लगाया, जैसे कि मादुरो कब तक सत्ता से हटेंगे या अमेरिका वेनेजुएला में कब तक सैन्य कार्रवाई करेगा। यह एक जोखिम भरा दांव था, लेकिन ऑपरेशन की अंदरूनी जानकारी होने के कारण उसे भरोसा था कि यह सच साबित होगा। ऑपरेशन सफल होते ही उसका दांव सही साबित हुआ और उसे भारी मुनाफा हुआ।

यूके बॉयोबैंक के पांच लाख वॉलंटियर्स का गोपनीय डेटा लीक

एजेंसी, लंदन

चीन में अलीबाबा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर आया नजर

यूके बॉयोबैंक को इस समय डेटा गोपनीयता को लेकर चिंता का सामना करना पड़ रहा है। सरकार ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि की कि पांच लाख वॉलंटियर्स का गोपनीय स्वास्थ्य रिकॉर्ड चीन की वेबसाइट अलीबाबा पर नजर आया। इससे यह सवाल उठ रहा है कि इतने जरूरी मेडिकल रिकॉर्ड को कैसे सुरक्षित रखा जाता है। ब्रिटने के टेक्नोलॉजी मंत्री इयान मरे ने कहा कि यूके बॉयोबैंक चैरिटी ने सरकार को बताया कि प्रतिभागियों का 'पहचान-रहित' डेटा 'चीन में अलीबाबा के ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कई लोगों ने बिक्री के लिए पहुंचाया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि चीन की सरकार और अलीबाबा के सहयोग से डेटा को हटा दिया गया है और ऐसा माना जाता है कि डेटा की कोई बिक्री नहीं हुई है। ब्रिटेन के इंटरनेशनल बिजनेस टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार 2003 में स्थापित यूके बॉयोबैंक दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य अनुसंधान प्रोजेक्ट्स में से एक है। इसमें लगभग पांच लाख वॉलंटियर्स का जैविक और मेडिकल डेटा मौजूद है। इन सबने वैज्ञानिक अध्ययनों में सहयोग करने की सहमति दी थी।

द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार 2006 एवं 2010 के बीच इस प्रोजेक्ट ने 40 से 69 वर्ष की आयु के पांच लाख प्रतिभागियों को शामिल किया। इन प्रतिभागियों ने अपना जेनेटिक डेटा, क्लिनिकल माप, स्वास्थ्य जानकारी, जैविक नमूने और जीवनशैली से जुड़ा डेटा देने की सहमति दी। यूके बॉयोबैंक मेडिकल अनुसंधान के लिए एक प्रमुख वैश्विक संसाधन है।

सीजेआई बोले- बंगाल का वोटर टर्नआउट देखकर बहुत खुश हूं

एसआईआर लिस्ट से बाहर चुनाव अधिकारियों की याचिका पर कहा- इस बार वोट नहीं डाल पाएंगे

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में हुई रिकॉर्ड वोटिंग की तारीफ की। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की बेंच ने राज्य में चुनावी हिंसा न होने पर संतोष जताया। CJI ने कहा- भारत के नागरिक के रूप में, मुझे मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुशी हुई। जब लोग अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, तो इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जिनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, कि वे लोग समाधान के लिए कोर्ट की तरफ से नियुक्त 19 अपीलीय ट्रिब्यूनलों से संपर्क करें। कोर्ट बंगाल में SIR को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव से पहले इस प्रक्रिया को रोकने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनलों से कहा कि वे उन लोगों को पहले सुनवाई का मौका दें, जो वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिए अर्जेंट सुनवाई की गुहार लगाते हैं।

कोर्ट ने बंगाल चुनाव ड्यूटी में लोगों की याचिका सुनने से इनकार कियाः सुप्रीम कोर्ट ने 24 अप्रैल को उन विभिन्न लोगों की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिनके नाम पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (SIR) के दौरान मतदाता सूची से काट दिए गए थे; इनमें लगभग 65 चुनाव ड्यूटी अधिकारी भी शामिल थे। याचिकाकर्ता के वकील एमआर शमशाद ने कहा कि कई अधिकारियों के नाम बिना किसी कारण के मनमाने ढंग से मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। उनके ड्यूटी ऑर्डर में एपिक नंबरों का उल्लेख है। अब उन नंबरों को हटा दिया गया है। अब चुनाव कराने वाले लोग वोट नहीं दे सकते। यह मनमाना है। कई मामलों में कारण भी नहीं बताए गए हैं।" इस पर जस्टिस बागची ने कहा, "इस चुनाव में शायद वे वोट नहीं दे पाएंगे। में उनका नाम बनाए रखने का महत्वपूर्ण अधिकार सुरक्षित रखा जाएगा।"

7 महीने प्रेग्नेंट नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट बोला- यह महिला की इच्छा का सवाल, उसे डिलीवरी के लिए मजबूर नहीं कर सकते

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सात महीने से ज्यादा की प्रेग्नेंट 15 साल की लड़की को मेडिकल टर्मिनेशन (अबॉर्शन) की इजाजत दी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा यह जन्म लेने वाले बच्चे का सवाल नहीं है। जरूरी यह है कि लड़की क्या चाहती है। अगर वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती तो उसे मजबूर नहीं किया जा सकता। भले ही बच्चे को जन्म के बाद गोद देने का ऑप्शन मौजूद हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मेडिकल रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि इस स्टेज पर अबॉर्शन करना मां और बच्चे दोनों के लिए जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने डिलीवरी के बाद बच्चा गोद देने का सुझाव दिया था। कोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। लड़की एक नाबालिग लड़के के साथ आपसी सहमति से संबंध के बाद प्रेग्नेंट हुई थी। नाबालिग की मां ने मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट (MPT Act) में तय समयसीमा से आगे जाकर बेटी के अबॉर्शन की इजाजत मांगी थी। लड़की ने भी कहा था कि वह प्रेग्नेंसी जारी नहीं रखना चाहती।

वकील ने बताया- प्रेग्नेंसी से तनाव में नाबालिगः याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने कहा गया कि इस प्रेग्नेंसी ने नाबालिग को गंभीर मानसिक तनाव दिया है और उसकी पढ़ाई पर भी

असर पड़ा है। कोर्ट को बताया गया कि नाबालिग में पहले से ही गंभीर मानसिक तनाव के संकेत दिख रहे हैं। वह आत्महत्या की कोशिश भी कर चुकी है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा था कि बच्चे को सेंट्रल अडॉप्शन रिसोर्स अथॉरिटी के जरिए गोद दिलाने की व्यवस्था की जा सकती है, जिससे लड़की और उसके परिवार की पहचान सुरक्षित रहे। उन्होंने नाबालिग को आर्थिक मदद की पेशकश भी की। हालांकि जस्टिस नागरत्ना ने इस तर्क पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि कोर्ट महिलाओं को अबॉर्शन के बजाय उनके लिए आर्थिक मदद या गोद लेने जैसे विकल्पों पर निर्भर रहने के लिए मजबूर नहीं कर सकती।

कोर्ट बोला- महिला को प्रजनन संबंधी फैसले लेने की आजादीः कोर्ट ने कहा, 'किसी महिला, खासकर नाबालिग, को इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी पूरा करने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है। इसलिए उसकी इच्छा का सम्मान करना जरूरी है।' कोर्ट ने कहा कि प्रजनन संबंधी फैसले लेने का अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता और गरिमा का हिस्सा है। इसलिए गोद देने का विकल्प किसी महिला को जबरन बच्चे को जन्म देने के लिए मजबूर करने का आधार नहीं बन सकता।

SC ने कहा- कोर्ट वहीं करेगा जो महिला के हित में बेहतर होगाः कोर्ट ने कहा कि अगर अदालतें अनचाही गर्भावस्था को जारी रखने पर जोर देंगी, तो महिलाएं अवैध अबॉर्शन सेंटर्स का सहारा लेने या छिपकर गर्भपात कराने को मजबूर हो सकती हैं। इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा बढ़ जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि ऐसे मामलों में संवैधानिक अदालतों को यह देखना चाहिए कि गर्भवती महिला के हित में क्या बेहतर है, खासकर तब जब गर्भ स्पष्ट रूप से अनचाहा हो। अंत में कोर्ट ने नाबालिग का AIIMS दिल्ली में सभी जरूरी मेडिकल सावधानियों के साथ अबॉर्शन कराने का निर्देश दिया।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए राज्यसभा में नोटिस

एजेंसी, नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष ने शुक्रवार को राज्यसभा में नोटिस दिया। इस पर 73 सांसदों के दस्तखत हैं। इससे पहले मार्च में विपक्ष ने ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए संसद में नोटिस दिया था। हालांकि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा सभापति सीपी राधाकृष्णन ने इन नोटिसों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोप उन्हें हटाने के लिए आवश्यक उच्च संवैधानिक मानदंडों को पूरा नहीं करते।

100 सांसदों के दस्तखत जरूरीः लोकसभा में CEC को हटाने के प्रस्ताव के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। राज्यसभा में इसके लिए कम से कम 50 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं।

कानून के अनुसार प्रस्ताव मंजूर होने पर ही जांच समितिः मुख्य चुनाव आयुक्त को उसी तरीके से हटाया जा सकता है जैसे सुप्रीम कोर्ट के जज को हटाया जाता है। अन्य चुनाव आयुक्तों को हटाने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त की सिफारिश जरूरी होती है। जजेज (इन्क्वायरी) एक्ट 1968 के अनुसार, अगर दोनों सदनों में एक ही दिन नोटिस दिया जाता है, तो जांच समिति तभी बनेगी जब दोनों सदनों में प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाएगा। इसके बाद लोकसभा स्पीकर और राज्यसभा चेयरमैन मिलकर एक संयुक्त जांच समिति बनाएंगे।

ईरानी अधिकारियों ने मोजतबा खामेनेई की गंभीर शारीरिक चोटों पर चिंता जताई

एजेंसी, तेहरान (ईरान)

देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की शारीरिक स्थिति पर गहरी नजर रखी जा रही है। कई रिपोर्टों में यह बताया गया है कि ईरान में संघर्ष के शुरुआती दौर में अमेरिकी हमले में उन्हें गंभीर चोटें आई थीं। इस हमले में उनके पिता समेत कई कमांडर मारे जा चुके हैं। उनकी शारीरिक स्थिति पर बड़े खुलासे से इस बात को लेकर चिंता और बढ़ गई है कि तेहरान में असल में फैसले कौन ले रहा है और बंद दरवाजो के पीछे सत्ता का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है। ब्रिटेन के अखबार इंटरनेशनल बिजनेस टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार मोजतबा खामेनेई की सेहत पर ताजा जानकारी से भयानक चोटों की पुष्टि हुई है। खामेनेई को उस हमले में बहुत ज्यादा और चेहरा बिगाड़ने वाली चोटें आई थीं। इस हमले में उनके पूर्ववर्ती उनके पिता अली खामेनेई की मौत हो गई थी। हमले के महीनों बाद भी इन चोटों का उनके रोजमर्रा के कामकाज पर गहरा असर पड़ रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले में खामेनेई का चेहरा बुरी तरह झुलस गया था। डॉक्टरों का कहना है कि शायद उन्हें 'रिकंस्ट्रक्टिव प्लास्टिक सर्जरी' (चेहरे को ठीक करने वाली सर्जरी) की जरूरत पड़ेगी। इसी रिपोर्ट में यह भी जिक्र है कि उनकी चोटें सिर्फ चेहरे तक ही सीमित नहीं हैं। उनके एक पैर की कई बार सर्जरी हो चुकी है। इससे इस बात की संभावना बनी हुई है कि शायद उन्हें नकली पैर (प्रोस्थेटिक लिंब) लगवाना पड़े। उनकी हालत से परिचित सूत्रों से मिली अतिरिक्त जानकारी के मुताबिक, वह अभी भी जलने तथा हड्डियों को हुई क्षति दोनों के ही लंबे समय तक बने रहने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं। इन शारीरिक मुश्किलों के बावजूद अधिकारियों का कहना है कि खामेनेई मानसिक रूप से पूरी तरह सचेत हैं और राजकाज के मामलों में सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं। हालांकि, उनकी चोटों

की गंभीरता को देखते हुए ऐसा लगता है कि ईरान के शासन-प्रशासन के तरीके में काफी बदलाव करने पड़े हैं।

'द न्यूयॉर्क टाइम्स' की रिपोर्टों से यह संकेत मिलता है कि हालांकि खामेनेई होश में हैं और मामलों में शामिल भी हैं, लेकिन हमले में लगी गंभीर चोटों की वजह से सत्ता का सीधे तौर पर इस्तेमाल करने की उनकी क्षमता सीमित हो गई है। इस वजह से ईरान के शक्तिशाली इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के वरिष्ठ कमांडरों ने रोजमर्रा के फैसले लेने में ज्यादा से ज्यादा अहम भूमिका निभानी शुरू कर दी है। कहा जाता है कि ये जनरल अहम सैन्य और रणनीतिक अभियानों को संभाल रहे हैं और घायल सर्वोच्च नेता और सरकारी अधिकारियों के बीच प्रभावी रूप से मध्यस्थ के तौर पर काम कर रहे हैं।

खामेनेई का सार्वजनिक रूप से दूर रहना भी तमाम अटकलों को और हवा दे रहा है। सत्ता संभालने के बाद से उन्होंने न तो टीवी पर कोई संबोधन दिया है और न ही कोई सार्वजनिक भाषण। ऐसी ऊंची कुर्सी पर बैठे किसी व्यक्ति के लिए यह एक असामान्य बात है। रिपोर्टों से पता चलता है कि सुरक्षा जोखिमों को कम करने और उनकी स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए संचार शायद बहुत ही नियंत्रित और अप्रत्यक्ष माध्यमों से हो रहा है। उनके स्वास्थ्य को लेकर बरती जा रही गोपनीयता ने भी आंतरिक समीकरणों को भी जटिल बना दिया है। बताया जाता है कि वरिष्ठ अधिकारी उनसे सीधे मुलाकातें कम कर रहे हैं। इसकी एक वजह यह डर भी है कि कहीं उनकी मौजूदगी का पता न चल जाए और वे आगे होने वाले हमलों का निशाना न बन जाएं। इससे नेतृत्व का माहौल बिखरा-बिखरा सा हो गया है, और फैसले लेने का अधिकार सैन्य और राजनीतिक वर्ग के बीच बंट गया है।खामेनेई ने मार्च में अपने पिता की मृत्यु के बाद नेतृत्व संभाला था। वह असाधारण परिस्थितियों में इस पद पर आसीन हुए थे। नियुक्ति के समय वे पहले से ही घायल थे। उनके कार्यकाल में उनपर युद्धरत देश का नेतृत्व करने का भारी दबाव बना रहा। ईरानी अधिकारियों ने अब तक उनके जुझारूपन और लगातार सक्रिय रहने पर जोर दिया है, लेकिन गंभीर चोटों, सार्वजनिक रूप से कम नजर आने और सैन्य हस्तियों पर बढ़ती निर्भरता ने ईरानी सरकार के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व की नाजुक स्थिति को उजागर कर दिया है। अमेरिका से तनाव के बीच ईरान में खामेनेई का स्वास्थ्य अहम पहलू बना हुआ है।

पश्चिम बंगाल प्रथम चरण चुनाव 2026-केवल एक राज्य का चुनाव नहीं बल्कि यह लोकतांत्रिक भागीदारी, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक गतिशीलता का एक जीवंत प्रयोग बन चुका है

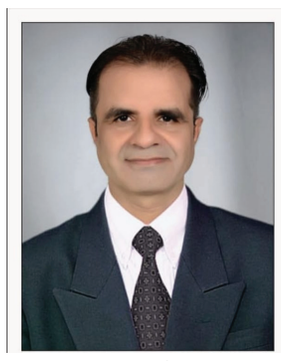

लोकतंत्र की शान

» पश्चिम बंगाल चुनाव में साइलेंट वोटर का प्रभाव भी चर्चा- ये वे मतदाता,जो सार्वजनिक रूप से अपनीराजनीतिक पसंद व्यक्त नहीं करते,मतदान के दिन निर्णायक भूमिका निभाते हैं।

» पश्चिम बंगाल में लगभग 93 प्रतिशत औसत मतदान व कई विधानसभा क्षेत्रों में 98 प्रतिशत तक मतदान केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं बल्कि यह लोकतांत्रिक ऊर्जा, राजनीतिक ध्रुवीकरण और मतदाताओं की असाधारण सक्रियता का संकेतक है- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से ही तीव्र भावनाओं,जटिल सामाजिक समीकरणों और उच्च स्तर की जनभागीदारी के लिए जानी जाती रही है,लेकिन 23 अप्रैल 2026 को हुए मतदान और 24 अप्रैल 2026 को सामने आए पहले चरण के मतदान के आंकड़ों ने इस परंपरा को एक नए शिखर पर पहुंचा दिया है। लगभग 93 प्रतिशत औसत मतदान और कई विधानसभा क्षेत्रों में 98 प्रतिशत से अधिक मतदान केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक ऊर्जा,राजनीतिक ध्रुवीकरण और मतदाताओं की असाधारण सक्रियता का संकेतक है।इस अभूतपूर्व मतदान ने न केवल राज्य के भीतर राजनीतिक समीकरणों को हिला दिया है,बल्कि राष्ट्रीय स्तरपर भी चुनावी विश्लेषकों, राजनीतिक दलों और नीति निर्माताओं के बीच गहन चर्चा को जन्म दिया है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि सबसे पहले इस रिकॉर्ड मतदान के स्वरूप को समझना आवश्यक है।2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में लगभग 83.2 प्रतिशत मतदान हुआ था,जिसे उस समय भी उच्च माना गया था। इसके मुकाबले 2026 में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि केवल प्राकृतिक उतार-चढ़ाव नहीं मानी जा सकती।यह वृद्धि संकेत देती है कि इसबार क़ा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बनाए रखने का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह मतदाताओं के लिए पहचान,सुरक्षा विकास और राजनीतिक भविष्य से जुड़ा व्यापक जनमत संग्रह बन चुका है। जब मतदान प्रतिशत 90 के पार जाता है, तो आमतौर पर यह माना जाता है कि समाज के वे वर्ग भी मतदान में शामिल हुए हैं, जो सामान्यतः निष्क्रिय रहते हैं। साथियों बात अगर हम इस बढ़ी हुई भागीदारी के पीछे कई कारक काम कर रहे हैं इसको समझने की करें तो पहला और सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक ध्रुवीकरण। पश्चिम बंगाल में पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से वैचारिक और सामाजिक विभाजन तीखा हुआ है, उसने मतदाताओं को निष्क्रिय रहने की गुंजाइश नहीं छोड़ी। दूसरा कारक है महिला मतदाताओं की अभूतपूर्व भागीदारी। रिपोर्ट्स के अनुसार कई क्षेत्रों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा,जो यह संकेत देता है कि कल्याणकारी योजनाएं, सुरक्षा का मुद्दा और सामाजिक सम्मान जैसे विषय निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। तीसरा महत्वपूर्ण तत्व है प्रशासनिक सख्ती और सुरक्षा व्यवस्था,जिसे इलेक्शन कमिशन ऑफ़ इंडिया ने लागू किया। केंद्रीय बलों की तैनाती, संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी और बूथ स्तर पर पारदर्शिता ने मतदाताओं में विश्वास बढ़ाया।अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस बंपर मतदान का राजनीतिक लाभ किसे मिल सकता है। पारंपरिक चुनावी विश्लेषण कहता है कि जब मतदान प्रतिशत बढ़ता है, तो यह अक्सर सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कम्बेंसी) का संकेत होता है। इसका कारण यह है कि असंतुष्ट मतदाता अधिक संख्या में मतदान के लिए बाहर निकलते हैं। यदि इस सिद्धांत को लागू किया जाए, तो विपक्षी दलों को इसका लाभ मिल सकता है। लेकिन पश्चिम बंगाल का राजनीतिक परिदृश्य इतना सरल नहीं है। यहां सत्तारूढ़ दल की जमीनी पकड़, संगठनात्मक ताकत और लाभार्थी योजनाओं का प्रभाव भी सटीक रूप से अत्यंत गहरा है। साथियों बात अगर हम इसको उदाहरण के रूप में समझने की करें तो उदाहरण के लिए, यदि ग्रामीण क्षेत्रों और महिला मतदाताओं में वृद्धि अधिक है, तो इसका लाभ सत्तारूढ़ दल को मिल सकता है,क्योंकि ये वर्ग अक्सर सरकारी योजनाओं से सीधे प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर, यदि शहरी क्षेत्रों, युवा मतदाताओं और पहली बार वोट देने वालों की भागीदारी में अधिक वृद्धि हुई है, तो यह विपक्ष के पक्ष में जा सकता है, क्योंकि ये वर्ग परिवर्तन की मांग अधिक करते हैं। इस प्रकार, केवल उच्च मतदान प्रतिशत को देखकर किसी एक पार्टी के पक्ष में निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।क्षेत्रीय विश्लेषण भी बेहद महत्वपूर्ण है। मुर्शिदाबाद, मालदा और उत्तर दिनाजपुर जैसे मुस्लिम बहुल जिलों में उच्च मतदान यह संकेत दे सकता है कि अल्पसंख्यक समुदाय ने रणनीतिक रूप से मतदान किया है। यह मतदान किस दिशा में गया, यह परिणामों में स्पष्ट होगा, लेकिन यह तय है कि इन क्षेत्रों का प्रभाव कई सीटों पर निर्णायक रहेगा। दूसरी ओर,दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जैसे उत्तर बंगाल के क्षेत्रों में उच्च मतदान क्षेत्रीय मुद्दों,पहचान कीराजनीति और विकास के सवालों को प्रमुखता देता है।इस चुनाव में साइलेंट वोटर का प्रभाव भी चर्चा का विषय है। ये वे मतदाता होते हैं जो सार्वजनिक रूप से अपनी राजनीतिक पसंद व्यक्त नहीं करते, लेकिन मतदान के दिन निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उच्च मतदान अक्सर इस वर्ग की सक्रियता को दर्शाता है। यही कारण है कि चुनावी पंडित इस बार के परिणामों को लेकर असमंजस में हैं। साथियों बात अगर हम अब एक और महत्वपूर्ण दावा जो सामने आ रहा है, वह यह है कि क्या इसको समझने की करें तो इलेक्शन कमिशन ऑफ़ इंडिया ने प्रत्येक चुनाव में 10 प्रतिशत अधिक मतदान सुनिश्चित करने में सफलता प्राप्त की है। इस दावे को तथ्यों की कसौटी पर परखना आवश्यक है। चुनाव आयोग ने पिछले कुछ वर्षों में मतदाता जागरूकता अभियान, डिजिटल रजिस्ट्रेशन, बूथ सुविधाओं में सुधार और महिलाओं व दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष प्रबंध जैसे कई कदम उठाए हैं।इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव निश्चित रूप से देखा गया है, लेकिन हर चुनाव में 10 प्रतिशत की वृद्धि एक सामान्य पैटर्न नहीं है। यह वृद्धि स्थानीयराजनीतिक परिस्थितियों,मुद्दों औरप्रतिस्पर्धा की तीव्रता पर अधिक निर्भर करती है।इसी संदर्भ में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न देने की मांग का मुद्दा भी चर्चा में है। यह मांग मुख्यतः भावनात्मक और राजनीतिक प्रतिक्रिया के रूप में सामने आई है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना निश्चित रूप से एक बड़ी उपलब्धि है, लेकिन भारत रत्न जैसे सर्वोच्च नागरिक सम्मान के लिए व्यापक, दीर्घकालिक और बहुआयामी योगदान का मूल्यांकन किया जाता है। केवल एक चुनाव में उच्च मतदान प्रतिशत को इस सम्मान का आधार बनाना संस्थागत दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता। हालांकि, यह तथ्य अवश्य है कि यदि चुनाव आयोग ने निष्पक्षता, पारदर्शिता और भागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, तो उसकी सराहना की जानी चाहिए।

साथियों बात अगर हम इस पूरे परिदृश्य का अंतरराष्ट्रीय महत्व भी कम नहीं है इसको समझने की करें तो,यदि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में 90 प्रतिशत से अधिक मतदान लगातार होने लगे,तो यह विश्व लोकतंत्र के लिए एक मिसाल बन सकता है।कई विकसित लोकतंत्रों में भी मतदान प्रतिशत 60-70 के बीच रहता है। ऐसे में पश्चिम बंगाल का यह अनुभव वैश्विक स्तर पर अध्ययन का विषय बन सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि, यह कहना उचित होगा कि पश्चिम बंगाल का यह चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं रह गया है, बल्कि यह लोकतांत्रिक भागीदारी, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक गतिशीलता का एक जीवंत प्रयोग बन चुका है। 93 प्रतिशत का आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उस ऊर्जा का प्रतीक है जो भारतीय लोकतंत्र को जीवित और सक्रिय रखती है। अब सबकी निगाहें मतगणना के दिन पर टिकी हैं, जब यह स्पष्ट होगा कि इस ऐतिहासिक मतदान ने सत्ता की दिशा किस ओर मोड़ी है।

-संकलनकर्ता लेखक
- क़र विशेषज्ञ स्तंभकार
साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक
चिंतक कवि संगीत माध्यमा
सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन
सनमुखदास भावनानीं गोंदिया
महाराष्ट्र

फरक्का में 91% मतदानः निर्दलीय सुलैमान शेख़ का कांग्रेस को समर्थन, चुनावी समीकरण बदले

लोकतंत्र की शान

फरक्का विधानसभा क्षेत्र में इस बार का चुनाव कई मायनों में बेहद खास और दिलचस्प बन गया है। क्षेत्र में रिकॉर्ड 91 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो मतदाताओं के उत्साह, जागरूकता और लोकतंत्र के प्रति उनकी भागीदारी को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इस चुनावी माहौल में जिस नाम की सबसे ज्यादा चर्चा रही, वह हैं निर्दलीय उम्मीदवार श्री सुलैमान शेख़। सुलैमान शेख़ को इलाके में एक पढ़े-लिखे, अनुभवी और साफ-सुथरी छवि वाले नेता के रूप में जाना जाता है। वे कई विभागों में कार्य कर चुके हैं और लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे हैं। उन्होंने वर्षों तक मेहनत कर फरक्का विधानसभा में कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान की। हालांकि, पार्टी से टिकट न मिलने के बाद उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया। इसके बावजूद उन्होंने पूरे जोश और मजबूती के साथ चुनावी मैदान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और लोगों के बीच सक्रिय रहे। चुनाव के अंतिम चरण में राजनीतिक समीकरण उस समय बदले, जब सुलैमान शेख़ और कांग्रेस उम्मीदवार के बीच एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। इस मुलाकात में सुलैमान शेख़ ने कांग्रेस प्रत्याशी का समर्थन करने का निर्णय लिया और पूरी ताकत के साथ उनके पक्ष में प्रचार-प्रसार में जुट गए। उन्होंने दिन-रात मेहनत कर कांग्रेस उम्मीदवार के लिए माहौल बनाने में अहम भूमिका निभाई। निर्दलीय उम्मीदवार होते हुए भी कांग्रेस का समर्थन करना सुलैमान शेख़ की राजनीतिक परिपक्वता और पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा को दर्शाता है। साथ ही, उन्होंने भविष्य में दोबारा कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा भी व्यक्त की है। इस घटनाक्रम के बाद फरक्का विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार की स्थिति पहले से अधिक मजबूत मानी जा रही है। क्षेत्र के मतदाता भी इस एकजुटता को सकारात्मक रूप से देख रहे हैं, जिससे चुनाव परिणाम को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है।

"सत्ता की सियासत बनाम पहचान की पुकारः कब होगा 'बंगाल अस्मिता' पर असली चुनाव?"

» बंगाल में अब तक सिर्फ चुनाव हुए, पर "बंगाल अस्मिता" के लिए कभी चुनाव क्यों नहीं हुआ?

सना खान/ब्यूरो चीफ/लोकतंत्र की शान/दिल्ली

कोलकाता/नई दिल्ली। भारत का लोकतंत्र दुनिया में अपनी विशालता, विविधता और जनता की भागीदारी के लिए जाना जाता है। यहां हर वर्ष किसी न किसी राज्य में चुनावी माहौल बना रहता है। चुनाव आते ही राजनीतिक दल बड़े-बड़े वादे करते हैं, मंच सजते हैं, रैलियां होती हैं, नारों की गूंज सुनाई देती है और जनता से विकास, सुरक्षा, रोजगार और सम्मान के नाम पर वोट मांगे जाते हैं। लेकिन जब चुनाव खत्म होते हैं, तो अक्सर वही जनता अपने पुराने सवालों के साथ फिर खड़ी रह जाती है। अगर पश्चिम बंगाल की बात करें तो यह राज्य हमेशा से राजनीति का केंद्र रहा है। यहां चुनाव सिर्फ मतदान नहीं, बल्कि एक बड़े राजनीतिक संघर्ष की तरह देखे जाते हैं। कभी 34 साल तक वाम मोर्चा का शासन रहा, फिर तृणमूल कांग्रेस ने सत्ता संभाली, और अब भारतीय जनता पार्टी एक बड़ी चुनौती के रूप में उभर रही है। हर चुनाव में सरकार बदलने या बचाने की लड़ाई होती है, लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार अनसुना रह जाता है—क्या कभी "बंगाल अस्मिता" के लिए चुनाव हुआ? यह सवाल आज इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बंगाल सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक, बौद्धिक और क्रांतिकारी चेतना का केंद्र रहा है। जिस धरती ने देश को राष्ट्रगान देने वाले रवींद्रनाथ ठाकुर, आज़ाद हिंद फौज के संस्थापक सुभाष चंद्र बोस, "वंदे मातरम्" के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर दिए, वहां आज अस्मिता का मुद्दा राजनीति की भीड़ में कहीं दब गया है।

क्या है "बंगाल अस्मिता" का वास्तविक अर्थ? "बंगाल अस्मिता" सिर्फ एक राजनीतिक नारा नहीं है। यह बंगाल की पहचान, उसकी संस्कृति, उसकी भाषा, उसका साहित्य, उसकी कला, उसका इतिहास और उसका स्वाभिमान है। बंगाल की पहचान उसकी मिट्टी से जुड़ी है। यहां की भाषा में मिठास है, यहां के साहित्य में क्रांति है, यहां के संगीत में आत्मा है और यहां की संस्कृति में परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत मेल है। बंगाल की पहचान उसकी विश्व प्रसिद्ध दुर्गा पूजा से है, जिसे यूनेस्को ने "इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज" का दर्जा दिया। बंगाल की पहचान उसकी कला, थिएटर, फिल्मों, किताबों और बौद्धिक बहसों से रही है। लेकिन आज सवाल यह है कि क्या राजनीतिक दल इस अस्मिता को बचाने के लिए लड़ रहे हैं, या सिर्फ चुनाव जीतने के लिए इसका इस्तेमाल कर रहे हैं?

चुनाव में क्यों नहीं बनता "अस्मिता" मुद्दा? पश्चिम Bengal में हर चुनाव में अलग-अलग मुद्दे उठते हैं। कभी "खेला होबे" का नारा चलता है, कभी "परिवर्तन" की बात होती है, कभी "डबल इंजन सरकार" का वादा किया जाता है। लेकिन चुनाव के केंद्र में अक्सर धर्म, जाति, तुष्टिकरण, बाहरी बनाम भीतरी और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे हावी हो जाते हैं।

राजनीतिक दल "अस्मिता" की बात इसलिए नहीं करते क्योंकि अस्मिता की बात करने का मतलब होगा जवाब देना—

बंगाल में उद्योग क्यों खत्म हो रहे हैं?

रोजगार के अवसर क्यों कम हो रहे हैं?

युवाओं का पलायन क्यों बढ़ रहा है?

शिक्षा व्यवस्था कमजोर क्यों हो रही है?

राजनीतिक हिंसा क्यों बढ़ रही है?

महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल क्यों उठ रहे हैं?

बंगाल की सांस्कृतिक पहचान पर राजनीति क्यों हो रही है?

इन सवालों के जवाब देना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है।

राजनीतिक हिंसाः बंगाल की छवि पर दाग–पश्चिम बंगाल का नाम आते ही आज राजनीति के साथ हिंसा की खबरें भी जुड़ जाती हैं। चुनाव के दौरान बूथ कब्जाने, बमबाजी, आगजनी, मारपीट और हत्याओं की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। पंचायत चुनाव हो, लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा चुनाव—हिंसा की घटनाएं राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। जिस राज्य को कभी बुद्धिजीवियों और क्रांतिकारियों की धरती कहा जाता था, वहां अगर लोकतंत्र खून-खराबे के बीच दिखाई दे, तो यह बंगाल अस्मिता पर सबसे बड़ा हमला है। राजनीतिक हिंसा सिर्फ जान नहीं लेती, यह राज्य के सम्मान और निवेश दोनों को खत्म करती है।

बंगाल से उद्योगों का पलायन–एक समय था जब कोलकाता देश की आर्थिक राजधानी माना जाता था। बड़े उद्योग, बंदरगाह, व्यापार और रोजगार के अवसर यहां खूब थे। लेकिन समय के साथ उद्योग धीरे-धीरे दूसरे राज्यों में चले गए। आज कई कंपनियां गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में निवेश करना ज्यादा सुरक्षित और लाभदायक मानती हैं। उद्योगों के जाने का सीधा असर रोजगार पर पड़ा। लाखों युवाओं को नौकरी के लिए राज्य छोड़ना पड़ा। जब किसी राज्य का युवा अपने सपनों को पूरा करने के लिए बाहर जाए, तो यह केवल आर्थिक नहीं बल्कि अस्मिता का भी संकट है।

युवाओं का पलायन—टूटते सपनों की कहानी–आज बंगाल के हजारों छात्र और युवा बेहतर शिक्षा और नौकरी के लिए बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली और विदेशों का रुख कर रहे हैं। यह पलायन सिर्फ अवसरों की तलाश नहीं, बल्कि राज्य की नीतियों पर सवाल है। अगर राज्य अपने युवाओं को रोजगार, स्टार्टअप का माहौल और सुरक्षित भविष्य नहीं दे पा रहा, तो "अस्मिता" शब्द सिर्फ भाषणों में अच्छा लगता है।

संस्कृति पर राजनीति का साया–बंगाल की पहचान उसकी संस्कृति है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में संस्कृति भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गई है। दुर्गा पूजा, सरस्वती पूजा, रामनवमी और अन्य त्योहारों को लेकर राजनीतिक बयानबाजी बढ़ी है। कभी पूजा समितियों को अनुदान पर राजनीति होती है, कभी जुलूसों पर सवाल उठते हैं, कभी धार्मिक ध्रुवीकरण किया जाता है। संस्कृति जब राजनीति का हथियार बनती है, तो उसकी आत्मा कमजोर हो जाती है।

महिलाओं की सुरक्षा और सामाजिक सम्मान–बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी कई बार सवाल उठे हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध, छेड़छाड़, दुष्कर्म और राजनीतिक प्रताड़ना की घटनाएं सामने आती रही हैं। अगर एक राज्य अपनी महिलाओं को सुरक्षित माहौल नहीं दे सकता, तो उसकी अस्मिता अधूरी मानी जाएगी। महिला सम्मान भी "बंगाल अस्मिता" का बड़ा हिस्सा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य—अस्मिता का आधार–बंगाल कभी शिक्षा का गढ़ माना जाता था। कलकत्ता विश्वविद्यालय, जादवपुर विश्वविद्यालय और प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने देश को प्रतिभाएं दीं। लेकिन आज सरकारी स्कूलों की स्थिति, शिक्षक भर्ती विवाद और शिक्षा में राजनीति के आरोप चिंता का विषय हैं। स्वास्थ्य सेवाओं में भी सरकारी अस्पतालों की स्थिति कई बार सवालों के घेरे में रहती है। अगर शिक्षा और स्वास्थ्य कमजोर होंगे तो अस्मिता भी कमजोर होगी। "बंगाल अस्मिता" पर चुनाव कब होगा?

असली चुनाव तब होगा जब मुद्दा होगा—

बंगाल में उद्योग वापस कैसे आएंगे?

युवाओं को रोजगार कैसे मिलेगा?

शिक्षा और स्वास्थ्य कैसे सुधरेगा?

महिलाओं की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी?

राजनीतिक हिंसा कैसे खत्म होगी?

भ्रष्टाचार कैसे रुकेगा?

संस्कृति और विरासत कैसे बचेगी?

जिस दिन जनता इन सवालों पर वोट देगी और नेता इन सवालों पर जवाब देंगे, उस दिन कहा जा सकेगा कि बंगाल में "अस्मिता" के लिए चुनाव हो रहा है।

निष्कर्ष पश्चिम बंगाल में सरकारें बदलीं, चेहरे बदले, नारे बदले, लेकिन आम जनता की कई मूल समस्याएं जस की तस बनी रहीं। "बंगाल अस्मिता" सिर्फ एक चुनावी शब्द नहीं, बल्कि करोड़ों बंगालियों की आत्मा और सम्मान का प्रतीक है। जरूरत इस बात की है कि राजनीतिक दल धर्म, जाति और तुष्टिकरण की राजनीति से ऊपर उठें और बंगाल के सम्मान, रोजगार, शिक्षा, संस्कृति और विकास को असली मुद्दा बनाएं। क्योंकि जब तक चुनाव सिर्फ सत्ता के लिए होते रहेंगे, तब तक "बंगाल अस्मिता" भाषणों और पोस्टरों में ही जिंदा रहेगी। और जिस दिन बंगाल अपनी अस्मिता के लिए वोट देगा, उस दिन राजनीति नहीं, इतिहास बदलेगा।

स्टैनफोर्ड में भारतीय दृष्टि : विज्ञान ज्ञान और सभ्यतागत नेतृत्व

लेखक- डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबले द्वारा स्टेनफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में आयोजित 'थ्राइव 2026' सम्मेलन में दिया गया व्याख्यान भारतीय ज्ञान-परंपरा के वैश्विक पुनर्पाठ का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा। "विज्ञान, ज्ञान-प्रणालियाँ एवं सभ्यतागत नेतृत्व" विषय पर बोलते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि आधुनिक तकनीकी युग में केवल इंनोवेशन पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके साथ विसडम का समावेश अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में विज्ञान और अध्यात्म परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। उपनिषद जैसे ग्रंथ मानव चेतना, प्रकृति और ब्रह्मांड के संबंधों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं। इस संदर्भ में उनका यह कथन अत्यंत प्रासंगिक रहा कि विवेकहीन ज्ञान अहंकार को जन्म देता है, जबकि विवेकयुक्त ज्ञान ही कल्याणकारी होता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल अर्थव्यवस्था के दौर में उन्होंने 'मानवीय एल्गोरिद्म' की अवधारणा रखी, जिसमें तकनीक का उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए, न कि मनुष्य का तकनीक का दास बन जाना। उन्होंने ज्ञान के लोकतंत्रीकरण पर बल देते हुए कहा कि सूचना और शिक्षा तक समान पहुँच आज की सबसे बड़ी चुनौती है। अपने व्याख्यान में दत्तात्रेय होसबले ने यह भी रेखांकित किया कि विदेशी आक्रमणों और परतंत्रता के कारण भारतीय ज्ञान-परंपराओं को गहरी क्षति पहुँची, किंतु आज नई शिक्षा नीति जैसे प्रयासों से उन्हें पुनर्जीवित करने की दिशा में काम हो रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में यह व्याख्यान केवल एक भाषण नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की समग्र दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है। आधुनिक विज्ञान और भारतीय दर्शन के संगम का यह संदेश एक संतुलित, समावेशी और टिकाऊ वैश्विक भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

मौत का मच्छर, लापरवाही का खतराः मलेरिया पर निर्णायक वार का समय

लेखिका- श्वेता गोयल

मलेरिया आज भी उन पुरानी और अत्यंत खतरनाक बीमारियों में से एक है, जो हर वर्ष लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करता है और असंख्य परिवारों को शोक में डुबो देता है। यह एक ऐसा रोग है, जो पूरी तरह रोके जाने योग्य होने के बावजूद आज भी वैश्विक स्वास्थ्य संकट के रूप में मौजूद है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि मलेरिया से होने वाली अधिकांश मौतें छोटे बच्चों में होती हैं, विशेष रूप से पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में, जो इस बीमारी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। मलेरिया का संबंध एक सूक्ष्म लेकिन अत्यंत घातक परजीवी से है, जो संक्रमित मादा एनोफेलीज मच्छर के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करता है। जब यह मच्छर किसी व्यक्ति को काटता है तो प्लाज्मोडियम नामक परजीवी रक्त में पहुंचकर पहले यकृत पर हमला करता है और फिर लाल रक्त कोशिकाओं को नष्ट करना शुरू कर देता है। यही कारण है कि मलेरिया केवल एक साधारण बुखार नहीं बल्कि शरीर की आंतरिक संरचना को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाला रोग है। वैश्विक स्तर पर मलेरिया की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। हाल के वर्षों के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष करोड़ों लोग इस बीमारी की चपेट में आते हैं और लाखों लोग अपनी जान गंवा देते हैं। 2024 में मलेरिया से लगभग 6.1 लाख मौतें इस बात का प्रमाण हैं कि यह बीमारी अभी भी नियंत्रण से बाहर हो सकती है, यदि इसके प्रति जरा भी लापरवाही बरती जाए। यह केवल स्वास्थ्य का ही नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का भी प्रश्न है क्योंकि मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में उत्पादकता घटाता है, स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ बढ़ाता है और गरीबी के चक्र को गहरा करता है। मलेरिया की सबसे खतरनाक विशेषता इसकी जटिलता और विविधता है। प्लाज्मोडियम के कई प्रकार होते हैं, जिनमें से फाल्सीपेरम सबसे घातक माना जाता है। यदि इसका समय पर उपचार न किया जाए तो यह गंभीर एनीमिया, किडनी फेल्योर, मस्तिष्क संबंधी जटिलताओं और अंततः मृत्यु का कारण बन सकता है। यही कारण है कि मलेरिया के उपचार में देरी या लापरवाही सीधे जीवन के लिए खतरा बन जाती है। कई बार लोग शुरुआती लक्षणों को सामान्य बुखार समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो आगे चलकर गंभीर परिणामों का कारण बनता है। हालांकि आशा की किरण भी उतनी ही मजबूत है। विज्ञान ने मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। नए टीकों का विकास, उन्नत दवाएं, कीटनाशक युक्त मच्छरदानियां और डिजिटल निगरानी प्रणाली इस दिशा में बड़ी प्रगति का संकेत हैं। मलेरिया के लिए विकसित कुछ टीकों ने यह साबित किया है कि मलेरिया को नियंत्रित करना अब केवल कल्पना नहीं बल्कि वास्तविकता बन सकता है। कई देशों में इन टीकों का सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है और लाखों बच्चों को इससे सुरक्षा भी मिल रही है। इसके अतिरिक्त, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग मलेरिया संभावित क्षेत्रों की पहचान करने में किया जा रहा है। इससे समय रहते रोकथाम के उपाय किए जा सकते हैं। आनुवंशिक रूप से संशोधित मच्छरों पर भी शोध जारी है, जिनके माध्यम से मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित करने की संभावना तलाश की जा रही है। ये सभी प्रयास इस बात के संकेत हैं कि यदि वैश्विक समुदाय एकजुट होकर कार्य करे तो मलेरिया को जड़ से समाप्त करना संभव है। इसके बावजूद, चुनौतियां कम नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और कीटनाशकों के प्रति मच्छरों की बढ़ती प्रतिरोधक क्षमता इस लड़ाई को और कठिन बना रही है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव के कारण मच्छरों का फैलाव नए क्षेत्रों तक पहुंच रहा है, जिससे मलेरिया का खतरा भी बढ़ रहा है। इसके अलावा, कई विकासशील देशों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, जागरूकता का अभाव और आर्थिक संसाधनों की सीमाएं इस बीमारी के नियंत्रण में बाधा बनती हैं। यही कारण है कि विश्व मलेरिया दिवस 2026 की थीम 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धः अब हम कर सकते हैं, अब हमें करना ही होगा' अत्यंत प्रासंगिक है। यह थीम केवल एक नारा नहीं बल्कि एक चेतावनी है कि अब और देरी की गुंजाइश नहीं है। हमारे पास संसाधन हैं, तकनीक है और अनुभव भी है, आवश्यकता केवल दृढ़ इच्छाशक्ति और समन्वित प्रयास की है। मलेरिया के लक्षणों में तेज बुखार, कंपकंपी, अत्यधिक पसीना, सिरदर्द, उल्टी और कमजोरी शामिल हैं। कई मामलों में यह रोग इतनी तेजी से गंभीर रूप ले लेता है कि मरीज को संभलने का अवसर तक नहीं मिलता। मलेरिया से बचाव के उपाय अत्यंत सरल लेकिन प्रभावी हैं। साफ-सफाई का ध्यान रखना, घर और आसपास पानी जमा न होने देना, मच्छरदानी का उपयोग करना, पूरी आस्तीन के कपड़े पहनना और समय-समय पर कीटनाशकों का छिड़काव करना इस बीमारी को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेष रूप से बरसात और गर्मी के मौसम में अतिरिक्त सावधानी बरतना आवश्यक है,त्र क्योंकि यही वह समय होता है, जब मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ती है। किसी भी प्रकार के बुखार को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यदि तेज बुखार, ठंड लगना या अन्य लक्षण दिखाई दें तो तुरंत जांच करानी चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार शुरू करना चाहिए। शुरुआती चरण में ही सही उपचार मिलने से मलेरिया को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है और गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। सरकारों और स्वास्थ्य संस्थाओं की भूमिका भी इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अभय सिंह ने एलेइनिन को हराया

पहली बार पीएसए गोल्ड-लेवल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्क्वाश खिलाड़ी अभय सिंह ने ज्यूरिख में खेले जा रहे ग्रासहॉपर कप स्क्वैश टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है।भारत के अभय सिंह ने ज्यूरिख में खेले जा रहे ग्रासहॉपर कप स्क्वैश टूर्नामेंट में मिस्र के विश्व नंबर 13 अली अबू एलेइनिन को हराकर पहली बार पीएसए गोल्ड लेवल की प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज अभय दूसरे दौर के पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे। उन्होंने

हालांकि शानदार वापसी करते हुए सातवीं वरीयता प्राप्त एलेइनिन को 12-10, 11-9 से मात दी।

अभय के सामने अब कड़ी चुनौती – इस महीने की शुरुआत में भी अभय ने मिस्र में आयोजित एल गूना ओपन में भी एलेइनिन को हराया था। अभय के सामने अब क्वार्टर फाइनल में मिस्र के विश्व नंबर चार करीम गवाड की चुनौती होगी। उन्होंने शुरुआती दौर में स्विट्जरलैंड के डेविड बेर्नेट को 11-9, 9-11, 11-8 से हराया था। भारत के ही रमित टंडन को मिस्र के फारेस देसौकी के खिलाफ 6-11, 9-11 से हार का सामना करना पड़ा।

सचिन तेंदुलकर बर्थडे

'क्रिकेट के भगवान' ने फैंस के साथ मनाया जन्मदिन

मुंबइ, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर अपना 53वां जन्मदिन मना रहे हैं। सचिन को उनके जन्मदिन पर न सिर्फ क्रिकेट बल्कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग भी बधाई दे रहे हैं। फैंस के दिल में राज करने वाले सचिन ने अपने जन्मदिन का केक फैंस के बीच काटा। सचिन ने अपनी पत्नी अंजली तेंदुलकर के साथ सैकड़ों फैंस के सामने केक काटा और फैंस की बधाइयों के लिए उनका शुक्रिया किया। इस अवसर पर उनके फैन के रूप में पहचान बनाने वाले सुधीर भी मौजूद थे। वह झंडा लहरा रहे थे और केक कटने के समय शंख बजा रहे थे। सचिन तेंदुलकर को उनके जन्मदिन पर उनके साथी खिलाड़ियों ने बधाई दी है। युवराज सिंह ने एक्स पर लिखा, 'जन्मदिन मुबारक पाजी। आपके साथ मैदान साझा करना मेरे लिए

सम्मान की बात थी, लेकिन आपसे सीखना उससे भी बड़ी बात थी। आपका अनुशासन, विनम्रता और प्यार हम सभी के लिए एक मिसाल है। उन यादों और उस प्रेरणा के लिए धन्यवाद, जो आप आज भी हमारे लिए बने हुए हैं। ढेर सारा प्यार।' हरभजन सिंह ने एक्स पर सचिन तेंदुलकर के साथ अपनी फोटो साझा करते हुए लिखा, 'जन्मदिन मुबारक पाजी। वाहेगुरु आपको अच्छी सेहत, दौलत, खुशी और शांति का आशीर्वाद देते रहें। सच्चे लेजेंड, सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी मास्टर। हमेशा प्यार।' ब्रेट ली ने फेसबुक पर लिखा, 'क्रिकेटर होते हैं, महान क्रिकेटर होते हैं, और फिर सचिन तेंदुलकर हैं। एक ऐसे इंसान को जन्मदिन की बधाई जिसने सिर्फ क्रिकेट नहीं खेला, बल्कि वह क्रिकेट बन गया। उसे देखना एक कला थी। एक लेजेंड, एक जेंटलमैन, और एक सच्चा दोस्त।

संजू सैमसन ने मुंबई के खिलाफ शतक जड़ रच दिया इतिहास

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 33वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 103 रनों से रौंदा. वानखेड़े के मैदान पर मिली धमाकेदार जीत के साथ ही सीएसके आईपीएल में एमआई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीम बन गई है.

चेन्नई सुपर किंग्स से मिले 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियंस की पूरी टीम 19 ओवर में 104 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. संजू सैमसन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए इस सीजन का अपना दूसरा शतक लगाया. सैमसन ने 54 गेंदों में 101 रनों की नाबाद पारी खेली . अपनी इस पारी में संजू ने 10 चौके और 6 छक्के लगाए. ऋतुराज गायकवाड़ ने 22 रन बनाए, तो सरफराज खान ने 14 रनों का योगदान दिया. वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस ने 21 और कार्तिक शर्मा ने 18 रन बनाए. यह सीएसके की इस सीजन की तीसरी जीत है, जबकि एमआई को पांचवीं हार का मुंह देखना पड़ा है. एमआई की शुरुआत बेहद खराब रही और दानिश मालेवार और नमन धीर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे. क्विंटन डी कॉक भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 7 रन बनाकर मुकेश चौधरी का शिकार बने. सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने चौथे विकेट के लिए 73 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाई. तिलक 29 गेंदों में 37 रन बनाकर आउट हुए, तो सूर्यकुमार 36 रन बनाने के बाद अकील हुसैन की गेंद पर सरफराज को कैच देकर पवेलियन लौटे.

हार्दिक पांड्या (1 रन) और शेरफेन रदरफोर्ड (0) बुरी तरह से फेल रहे. गेंदबाजी में सीएसके की ओर से अकील हुसैन ने 4 और नूर अहमद ने 2 विकेट अपने नाम किए. वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (स्छ्ठ) के खिलाफ शतक जड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए एक सपने जैसा होता है. इस शानदार उपलब्धि के बाद अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए शतकवीर खिलाड़ी ने बताया कि यह पल उनके और टीम के लिए बेहद खास है. उन्होंने कहा कि आज के दौर में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को बहुत सरल रखा है और वह केवल मैच के हालातों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. वानखेड़े की पिच को लेकर उन्होंने एक दिलचस्प बात साझा की कि आज का विकेट आम दिनों जैसा नहीं था, यहां गेंद न केवल स्विंग हो रही थी, बल्कि पिच से थोड़ा रुककर भी आ रही थी. इसी स्पष्टता ने उन्हें पारी को आगे बढ़ाने में काफी मदद की.

- **खेल खुद आपको रास्ता दिखाता है कि आपको क्या करना है : संजू** – मैच के दौरान टीम की मुश्किलों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि पावरप्ले के तुरंत बाद उन्हें पिच के मिजाज का अंदाजा हो गया था. टीम लगातार बीच-बीच में विकेट गंवा रही थी और जब भी बल्लेबाज बड़े शॉट खेलने का प्रयास करते, वे आउट हो रहे थे. ऐसी स्थिति में उन्होंने अपनी जिम्मेदारी को समझा और तय किया कि एक जमे हुए बल्लेबाज के रूप में उनका अंत तक क्रीज पर टिके रहना बहुत जरूरी है. उन्होंने कहा, 'खेल खुद आपको रास्ता दिखाता है कि आपको क्या करना है.' इसी संयम और खेल की समझ का नतीजा रहा कि वह अंत तक नाबाद रहे और एक यादगार शतक के साथ अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया मैदान पर उतरते समय पहले से कोई निश्चित धारणा या 'माइंडसेट' बनाकर खेलना हमेशा सही नहीं होता. खेल के प्रति मेरी सोच बहुत अलग है. संजू ने कहा, व्यक्तिगत रिकॉर्ड से ऊपर टीम की जरूरतें आती हैं. एक अनुभवी खिलाड़ी के नाते मेरी यह जिम्मेदारी बनती है कि मैं अपनी स्वाभाविक शैली को खेल की परिस्थितियों और टीम की मांग के अनुसार ढालूं. आज के मैच में भी, अगर हमने शुरुआत में जल्दी विकेट नहीं गंवाए होते, तो मैं शायद बहुत पहले ही आक्रामक शॉट खेलना शुरू कर देता, लेकिन विकेट गिरने की वजह से पारी को संभालना और उसे अंत तक ले जाना अनिवार्य था.

गोलकीपर प्रिंस नहीं खेल पाएंगे एशियाड

बाएं कंधे की होगी सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम को झटका लगा है। एशियाई खेलों के कैंप में शामिल गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह चोटिल हो गए हैं। प्रिंसदीप के बाएं कंधे के लेब्रल हिस्से में चोट की सर्जरी की जाएगी। प्रिंसदीप जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में हैरतअंगेज प्रदर्शन से चर्चा में आए थे, जिससे भारत सेमीफाइनल में पहुंचा था। चेन्नई में बीते दिसंबर में खेले गए जूनियर विश्व कप में भारत की कांस्य पदक जीत में प्रिंस की अहम भूमिका थी। प्रिंस के कंधे की सर्जरी इसी सप्ताह मुंबई में सर्जरी चर्चित चिकित्सक डॉ. दिनशा पारदीवाला करेंगे। सर्जरी के बाद प्रिंसदीप को पूरी तरह ठीक होने में छह माह तक का समय लग सकता है, जबकि एशियाई खेल ऐची और नागोया में

19 सितंबर से शुरू होने हैं। ऐसे में उनके खेलने की संभावना नगण्य हो गई है।

सर्जरी पर 6.5 लाख खर्च

पंजाब के 21 वर्षीय गोलकीपर प्रिंस को पीआर श्रीजेश का विकल्प माना जा रहा है। वह 2024 में जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम के भी सदस्य थे। उनकी सर्जरी पर साढ़े छह लाख रुपये का खर्च होगा, जिसे मेडिकल इंश्योरेंस और टॉप्स स्कीम से पूरा किया जाएगा।

पुरानी है कंधे की चोट

सूत्र बताते हैं कि प्रिंसदीप पिछले एक-दो साल से इस चोट से पीड़ित हैं। तब भी वह लगातार खेल रहे थे। अब दर्द असहनीय होने पर उन्हें सर्जरी की सलाह दी गई है। अब एशियाई खेलों की टीम में गोलकीपर के लिए कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेगा, पवन और मोहित के बीच मुकाबला है।

पहले स्थान पर पहुंचा भारत

प्राची गायकवाड़ ने गोल्ड पर लगाया निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राची गायकवाड़ ने गुरुवार को मिस्र के काहिरा में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड कप राइफल / पिस्टल / शॉटगन में जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 354.6 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) डारिया चुप्रीस को हराया, जिन्होंने 354.4 का स्कोर किया। एक और एआईएन शूटर, एलेना क्रेटिनिना ने 343.3 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता,

और 35-शॉट के फाइनल से 34वें शॉट के बाद बाहर हो गई। नारायण प्रणव ने भी जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में फाइनल में 229.5 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। मंगलवार (21 अप्रैल) को प्रतियोगिता के पहले दिन शिवा नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में जीत हासिल की थी; उसके बाद यह भारत का दूसरा गोल्ड है। दो गोल्ड, चार सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत एक बार फिर मेडल टैली में टॉप पर पहुंच गया है।

व्यापार

गौतम अडानी की लंबी छलांग, पहली बार बिल गेट्स से निकले आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की नेटवर्थ में गुरुवार को भारी तेजी आई। शेयर मार्केट में गिरावट के बावजूद अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में 7.16 अरब डॉलर की तेजी आई। इसके साथ ही वह 100 अरब डॉलर क्लब में शामिल हो गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अडानी की नेटवर्थ 106 अरब डॉलर पहुंच गई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वह माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स के भी आगे निकल गए हैं। अडानी की नेटवर्थ में इस साल 21.4 अरब डॉलर की तेजी आई है जबकि गेट्स की नेटवर्थ में 12.7 अरब डॉलर की गिरावट आई है। गेट्स 104 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 18वें नंबर पर खिसक गए हैं। इस बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में गुरुवार को 1.11 अरब डॉलर की गिरावट आई। वह 90.2 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 20वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 17.5 अरब डॉलर गिरी है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में एलन मस्क 645 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर बने हुए हैं। गुरुवार को उनकी नेटवर्थ में 9.89 अरब डॉलर की गिरावट आई। लैरी पेज 289 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ गुरुवार को 9.49 अरब डॉलर की कमी आई। इस लिस्ट में जेफ बेजोस (274 अरब) तीसरे, सर्गेई ब्रिन (269 अरब) चौथे, मार्क जकरबर्ग (233 अरब) पांचवें, लैरी एलिसन (227 अरब) छठे, माइकल डेल (.179 अरब) सातवें, जेंसन हुआंग (.165 अरब) आठवें, बर्नार्ड आरनॉल्ट (.160 अरब) नौवें और जिम वॉल्टन (.157 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

निर्मला सीतारमण ने आरबीआई और बैंकों के साथ की मीटिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को बैंकों के प्रमुखों के साथ एक अहम बैठक की। यह मीटिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े खतरों को लेकर हुई। दरअसल, अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक के मॉडल को लेकर दुनिया भर में चिंता जताई जा रही है कि यह बैंकिंग और वित्तीय प्रणालियों की डेटा सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। दावा किया गया है कि इसने कई बड़े ऑपरेटिंग सिस्टमों में सुरक्षा संबंधी कमियां ढूंढ निकाली हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में से होने वाले जोखिमों और उनसे निपटने के लिए जरूरी उपायों पर चर्चा हुई। सूत्रों ने बताया कि बैंकों से कहा गया है कि वे अपने सिस्टम, डेटा और ग्राहकों के पैसे को सुरक्षित रखने के लिए पहले से ही पुख्ता कदम उठाएं। इस बैठक में बैंकों के शीर्ष अधिकारी, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारी शामिल हुए। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार मंत्रालय और आरबीआई इस बात का अध्ययन कर रहे हैं कि इस सुरक्षा चूक से भारतीय वित्तीय क्षेत्र को किस हद तक जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारी ने कहा कि अब तक भारतीय प्रणालियां सुरक्षित हैं और अनावश्यक रूप से चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि आरबीआई अपने स्तर पर यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी जांच कर रहा है कि भारत का वित्तीय क्षेत्र सुरक्षित रहे। रिपोर्ट्स के अनुसार, एंथ्रोपिक का कहना है कि साइबर सुरक्षा के मामले में एआई मॉडल इंसानों से भी बेहतर काम कर सकता है। यह ऑपरेटिंग सिस्टम और वेब ब्राउजर में हजारों कमियां (बग्स) ढूंढ सकता है।

लगातार 11वें साल कच्चे तेल का प्रोडक्शन फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का कच्चा तेल (क्रूड ऑयल) उत्पादन 2025-26 में लगातार 11वें साल गिरा है। नैचुरल गैस प्रोडक्शन में भी लगातार दूसरे साल गिरावट आई है। उत्पादन में यह गिरावट मुख्य रूप से पुराने तेल क्षेत्रों के खाली होने और नए बड़े तेल क्षेत्रों की खोज न होने के कारण हुई है। यह आयात पर भारी निर्भरता को दिखाता है। घरेलू उत्पादन में लगातार कमी के कारण आयात पर निर्भरता बढ़ गई है। इस साल कच्चे तेल के लिए आयात पर निर्भरता बढ़कर 89 फीसदी हो गई। वहीं, प्राकृतिक गैस की बात करें तो यह उसके लिए 51 फीसदी रही।

अमेरिका-ईरान युद्ध ने और बिगाड़ी स्थिति

अमेरिका-ईरान युद्ध ने इस कमजोरी को और उजागर किया है। कारण है कि तेल की सप्लाई हासिल करना ज्यादा मुश्किल हो गया है। रिफाइनरियों को तेल के जहाजों के लिए ज्यादा कीमतें चुकानी पड़ी रही है। फिर भी मार्च में उन्हें तेल की कमी का सामना करना पड़ा।

पिछले कुछ सालों में सरकार ने कई सुधार लागू किए हैं। इनका मकसद तेल की

गैस के मोर्चे पर भी बुरा हाल

खोज से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देना है। इनमें एक राष्ट्रीय भूवैज्ञानिक डेटा भंडार (नेशनल जियोलॉजिकल डेटा रिपॉजिटरी) स्थापित करना, नियामक और पर्यावरणीय

मंजूरियों को आसान बनाना और ऐसे फाइनेंशियल फ्रेमवर्क पेश करना शामिल है जो तेल खोज करने वाली कंपनियों को मुनाफे में ज्यादा हिस्सा देते हैं। हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद दुनिया भर की तेल कंपनियों ने इस क्षेत्र में बहुत कम दिलचस्पी दिखाई है। ये पूंजी और आधुनिक तकनीक दोनों लाने के लिए जानी जाती हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक दशक में हुए ज्यादातर लाइसेंसिंग राउंड में घरेलू सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का ही दबदबा रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 में कच्चे तेल का उत्पादन 2.5 फीसदी लुढ़का। यह लुढ़ककर 2.8 करोड़ टन रह गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2014-15 से अब तक कुल मिलाकर 22 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

गिरावट की सबसे बड़ी वजह

एक इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने इस लगातार गिरावट का मुख्य कारण पिछले एक दशक में किसी भी बड़ी खोज का न होना बताया। तेल और गैस के भंडार समय के साथ स्वाभाविक रूप से कम होते जाते हैं। जब तक नई खोजों को विकसित नहीं किया जाता, उत्पादन के स्तर को बनाए रखना लगातार मुश्किल होता जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनियों ने उन संसाधनों का व्यवसायीकरण करने में पर्याप्त तेजी नहीं दिखाई है जिनकी पहचान वे पहले ही कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर विकास कार्य तेजी से किया गया होता तो उत्पादन के स्तर को बनाए रखने में मदद मिल सकती थी। एक अन्य इंडस्ट्री एग्जीक्यूटिव ने कहा कि नीतिगत अनिश्चितता को लेकर चिंताओं के साथ संसाधनों की अपेक्षाकृत सीमित संभावनाओं ने भी निवेश को हतोत्साहित किया है।

2300 रुपये से अधिक सस्ती हुई चांदी, सोने के भाव में 600 रुपये से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बाजार में शुक्रवार, 24 अप्रैल को सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले सत्र के मुकाबले चांदी 1 फीसदी से अधिक लुढ़क गई। इस गिरावट की मुख्य वजह कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेज उछाल, बढ़ते बॉन्ड यील्ड और मजबूत होते अमेरिकी डॉलर को माना जा रहा है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी 1 फीसदी यानी 2,300 रुपये से अधिक टूटकर 2,39,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। वहीं, सोने की कीमत 0.4 फीसदी यानी 600 रुपये से अधिक गिरकर 2,41,513 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सुबह स्पॉट सिल्वर 0.3 प्रतिशत फिसलकर 75.22 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। स्पॉट गोल्ड 0.1 प्रतिशत लुढ़ककर 4,686.29 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। बता दें सोना इस हफ्ते अब तक 3 प्रतिशत टूट चुका है, जिससे उसकी चार हफ्तों की लगातार बढ़त टूट गई है। अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 0.5 प्रतिशत गिरकर 4,702 डॉलर पर रहे।

ब्रेंट क्रूड की कीमतों में इस हफ्ते 17 प्रतिशत से अधिक का उछाल आया है और यह 105 डॉलर प्रति बैरल के पार जा पहुंची है। खास बात यह है कि ईरान युद्धविराम बढ़ाए जाने के बावजूद होर्मुज स्ट्रेट अभी भी बड़े पैमाने पर बंद है। यह पूरी दुनिया में तेल सप्लाई का अहम रास्ता है। तेल की बढ़ती कीमतों से ट्रांसपोर्ट और प्रोडक्शन लागत बढ़ जाती है, जिससे महंगाई को बल मिलता है। इससे यह उम्मीद और मजबूत होती है कि ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं और यही बात सोने-चांदी जैसी नॉन-यील्डिंग (बिना ब्याज वाली) धातुओं पर भारी

पड़ती है। डॉलर और बॉन्ड यील्ड का दबावः अमेरिकी डॉलर इस हफ्ते 0.7 प्रतिशत मजबूत हुआ है, जिससे अन्य मुद्राओं वाले खरीदारों के लिए सोना-चांदी महंगी हो गई है। वहीं, अमेरिकी 10-वर्षीय ट्रेजरी यील्ड 2 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है, जिससे नॉन-यील्डिंग धातुओं को होल्ड करने का अवसर लागत बढ़ गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब तक भू-राजनीतिक स्थिति स्पष्ट नहीं होती और तेल की कीमतों का दबाव बना रहता है, तब तक चांदी और सोने में अस्थिरता बनी रह सकती है। हालांकि, लंबी अवधि के निवेश के नजरिए से कीमती धातुएं अब भी सुरक्षित दांव मानी जाती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)